सोमवार, 6 अप्रैल 2026

www.tvbharatvarsh.in

E-PAPER

कुल पृष्ठ–08

आरआर की रोमांचक जीत रवि शास्त्री ने की जमकर तारीफ

Page-04

टीवी भारतवर्ष

सच्ची खबर, सीधे आपके लिए

रश्मिका मंदाना का 30वां जन्मदिन

Page-05

उड़ान से पहले 'बम नोट' से हड़कंप जांच में निकली अफवाह

राष्ट्रीय, टीवी भारतवर्ष

केम्पेगौड़ा इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर शनिवार शाम उस वक्त अफरा-तफरी मच गई, जब दिल्ली जाने वाली इंडिगो की एक फ्लाइट में बम होने की सूचना मिली। एहतियात के तौर पर विमान को तुरंत खाली करा लिया गया।घटना शाम करीब 7 बजे की है, जब फ्लाइट टेकऑफ की तैयारी में थी। तभी एक यात्री को वॉशरूम में टिशू पेपर पर लिखा धमकीभरा नोट मिला, जिसमें विमान में विस्फोटक होने का जिक्र था। यात्री ने तुरंत इसकी जानकारी केबिन क्रू को दी, जिसके बाद मामला गंभीर हो गया।सूचना मिलते ही पायलट ने एयर ट्रैफिक कंट्रोल को अलर्ट किया और सुरक्षा प्रोटोकॉल लागू करते हुए सभी यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। इसके बाद विमान की पूरी तरह से तलाशी ली गई।लंबी और गहन जांच के बाद सुरक्षा एजेंसियों को कोई भी संदिग्ध वस्तु नहीं मिली। अधिकारियों ने इसे अफवाह करार दिया। जांच पूरी होने के बाद फ्लाइट को कुछ देरी से रवाना किया गया और वह सुरक्षित अपने गंतव्य तक पहुंच गई।फिलहाल, सुरक्षा एजेंसियां इस मामले की जांच कर रही हैं और उस शख्स की पहचान करने की कोशिश में जुटी हैं, जिसने यह धमकीभरा नोट लिखा था।

300 करोड़ की ज़ॉम्बी फिल्म 'प्रलय' में दिखेंगे रणवीर सिंह

'धुरंधर' के बाद अब रणवीर सिंह जल्द ही एक बड़े प्रोजेक्ट 'प्रलय' में नजर आने वाले हैं। यह फिल्म एक पोस्ट-अपोकैलिप्टिक दुनिया पर आधारित होगी, जहां जॉम्बी का खौफ फैला हुआ है। फिल्म का निर्माण 2026 के मध्य में शुरू होने की संभावना है।इस फिल्म का निर्देशन जय मेहता करेंगे, जो हंसल मेहता के बेटे हैं। जय इससे पहले 'स्कैम 1992' में सह-निर्देशक के तौर पर काम कर चुके हैं। फिल्म का निर्माण हंसल मेहता के बैनर तले होगा, जबकि रणवीर सिंह की प्रोडक्शन कंपनी भी इसमें सह-निर्माता के रूप में जुड़ी है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, 'प्रलय' का बजट करीब 300 करोड़ रुपये रखा गया है, जिससे यह एक बड़े स्तर की फिल्म मानी जा रही है। कहानी को जय मेहता और विशाल कपूर ने मिलकर लिखा है।

4 मई के बाद होगा हिसाब!

नरेंद्र मोदी का बंगाल से बड़ा वार

नरेंद्र मोदी ने बंगाल में साफ चेतावनी दी—"4 मई के बाद पापों का पूरा हिसाब होगा।

- **पीएम मोदी ने तृणमूल कांग्रेस पर भ्रष्टाचार, डर और "कट मनी" की राजनीति का आरोप लगाया।**
- **उन्होंने घुसपैठ पर सख्ती और 2029 से महिलाओं को 33% आरक्षण लागू करने का वादा दोहराया।**

पश्चिम बंगाल की राजनीति एक बार फिर गरमा गई है। कूच बिहार में आयोजित रैली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सत्ताधारी तृणमूल कांग्रेस पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि 4 मई के बाद "पापों का पूरा हिसाब" लिया जाएगा।रैली को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने दावा किया कि इस बार बंगाल में डर का माहौल खत्म होगा और भाजपा की जीत से लोगों का भरोसा मजबूत होगा। उन्होंने कहा कि चुनाव के बाद कानून अपना काम करेगा और किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा।मोदी ने आरोप लगाया कि मतदान के दौरान टीएमसी कार्यकर्ता लोगों को डराने की कोशिश करते हैं, लेकिन जनता को कानून पर भरोसा रखना चाहिए। उन्होंने कहा कि भाजपा की जीत के साथ ही राज्य में विकास को गति मिलेगी और भ्रष्टाचार तथा "कट मनी" की राजनीति पर रोक लगेगी।प्रधानमंत्री ने घुसपैठ के मुद्दे को भी उठाया और कहा कि राज्य से अवैध घुसपैठियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। इसके साथ ही उन्होंने महिलाओं के लिए 33% आरक्षण के कानून का जिक्र करते हुए बताया कि सरकार 2029 से इसे लागू करने की दिशा में काम कर रही है।उन्होंने कहा कि यह अधिकार लंबे समय से लंबित था और अब इसे लागू करने का समय आ गया है। साथ ही यह भरोसा भी दिलाया कि जनसंख्या नियंत्रण में बेहतर प्रदर्शन करने वाले राज्यों के साथ किसी तरह का अन्याय नहीं होगा।

पाक रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ का भड़काऊ बयान

अंतर्राष्ट्रीय, टीवी भारतवर्ष

पपाकिस्तान की ओर से भारत को दी जाने वाली धमकियों में अब कोलकाता का नाम भी शामिल कर दिया गया है। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने एक बयान में कहा है कि भविष्य में होने वाला कोई भी संघर्ष केवल सीमा तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि भारत के अंदर तक पहुंच सकता है।सियालकोट में पत्रकारों से बातचीत के दौरान उन्होंने दावा किया कि यदि भारत किसी "फॉल्स फ्लैग ऑपरेशन" की कोशिश करता है, तो पाकिस्तान इसका जवाब और अधिक तीखे तरीके से देगा। उन्होंने बिना कोई ठोस सबूत पेश किए यह भी आरोप लगाया कि भारत ऐसी साजिश रच सकता है।अपने बयान में आसिफ ने कहा कि अगला टकराव पहले से कहीं ज्यादा गंभीर हो सकता है। उन्होंने चेतावनी भरे लहजे में कहा कि इस बार जवाबी कार्रवाई केवल सीमित दायरे में नहीं रहेगी, बल्कि भारत के अंदरूनी हिस्सों तक पहुंच सकती है। हालांकि, उनके इन दावों को लेकर कोई आधिकारिक प्रमाण सामने नहीं आया है। विशेषज्ञों का मानना है कि इस तरह के बयान पाकिस्तान की पुरानी रणनीति का हिस्सा रहे हैं, जिसमें तनाव बढ़ाने वाली भाषा का इस्तेमाल किया जाता है, जबकि जमीनी स्तर पर ऐसे दावों की पुष्टि नहीं होती।

ईरान में गिरा अमेरिकी F-15E

24 घंटे के ऑपरेशन में दोनों पायलट सुरक्षित रेस्क्यू

- **दो सीटों वाले इस F-15E विमान के दोनों क्रू मेंबर अब सुरक्षित हैं, लेकिन यह घटना अमेरिका के लिए बड़ा झटका भी मानी जा रही है। ट्रंप पहले दावा कर चुके थे कि अमेरिका ने ईरान को पूरी तरह कमजोर कर दिया है और युद्ध जल्द खत्म होगा, लेकिन इसके बावजूद ईरान द्वारा अमेरिकी फाइटर जेट को मार गिराना एक अहम घटनाक्रम है।**

अमेरिका ने ईरान के दुर्गम पहाड़ी इलाके से अपने दूसरे लापता पायलट को भी सुरक्षित बाहर निकाल लिया है। करीब 24 घंटे तक चले सघन सर्च और रेस्क्यू ऑपरेशन के बाद इस पायलट का पता लगाया गया। यह पायलट उस समय लापता हो गया था, जब अमेरिकी लड़ाकू विमान F-15E ईगल क्रैश हो गया था।अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर इसकी जानकारी देते हुए सेना की सराहना की। उन्होंने बताया कि रेस्क्यू मिशन में अत्याधुनिक और शक्तिशाली हथियारों से लैस कई विमानों को तैनात किया गया था। पायलट को सुरक्षित निकाल लिया गया है, हालांकि उसे कुछ चोटें आई हैं और वह जल्द ही ठीक हो जाएगा।इससे पहले शनिवार को इसी विमान के पहले पायलट को भी बचा लिया गया था। ट्रंप के मुताबिक, दूसरा पायलट शुक्रवार से लापता था और अमेरिकी सेना लगातार उसकी

तलाश में जुटी हुई थी। पायलट की लोकेशन ईरान के दक्षिण-पश्चिमी प्रांत कोहगिलुयेह और बोयर-अहमद के कठिन पहाड़ी क्षेत्र में मिली थी, जहां सेना ने लगातार निगरानी रखते हुए सटीक समय पर रेस्क्यू ऑपरेशन को अंजाम दिया। न्यूज एजेंसी एपी के अनुसार, रिटायर्ड ब्रिगेडियर जनरल ह्यूस्टन कैंटवेल ने कहा कि साल 2003 के इराक युद्ध के बाद यह पहली बार है जब किसी संघर्ष में अमेरिकी लड़ाकू विमान को गिराया गया है।

इंस्टाग्राम अलर्ट से बची 19 साल की लड़की की जान

आजमगढ़ में पुलिस ने तेजी से कार्रवाई करते हुए एक 19 वर्षीय युवती की जान बचा ली। यह पूरा मामला सोशल मीडिया अलर्ट के जरिए सामने आया, जिसने समय रहते पुलिस को सक्रिय कर दिया।जानकारी के अनुसार, थाना सिधारी क्षेत्र की युवती ने इंस्टाग्राम पर एक भावुक स्टेटस पोस्ट किया, जिसमें उसने संकेत दिया कि वह अपनी मां के पास जा रही है। इस पोस्ट के बाद Meta ने इसे गंभीर मानते हुए उत्तर प्रदेश पुलिस को तुरंत अलर्ट भेज दिया।अलर्ट मिलते ही पुलिस मुख्यालय हरकत में आया और लोकेशन ट्रेस कर स्थानीय पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस टीम महज 8 मिनट के भीतर युवती के घर पहुंच गई। मौके पर पहुंचने पर युवती रोती हुई मिली और कुछ ही देर में बेहोश हो गई, जिसके बाद उसे तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया गया।

रजत शर्मा की बेटी की शादी में

पीएम से लेकर बॉलीवुड सितारों तक जुटीं दिग्गज हस्तियां

राष्ट्रीय, टीवी भारतवर्ष

रजत शर्मा की बेटी दिशा का विवाह एम.जे. सुदर्शन के साथ दिल्ली में बेहद भव्य अंदाज में संपन्न हुआ। राजधानी में आयोजित इस हाई-प्रोफाइल शादी समारोह में देश की राजनीति, फिल्म और आध्यात्मिक जगत की कई बड़ी हस्तियों ने शिरकत की।समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी पहुंचे और नवविवाहित जोड़े को नई जिंदगी की शुरुआत के लिए आशीर्वाद दिया। उनके अलावा कई राज्यों के मुख्यमंत्री—योगी आदित्यनाथ, देवेंद्र फडणवीस, मोहन यादव, भूपेंद्र पटेल, पुष्कर सिंह धामी और भजनलाल

शर्मा—ने भी समारोह में शामिल होकर शुभकामनाएं दीं।केंद्रीय मंत्रियों में राजनाथ सिंह, एस. जयशंकर, नितिन गडकरी, अश्विनी वैष्णव और चिराग पासवान समेत कई नेता मौजूद रहे। विपक्ष के नेताओं में अखिलेश यादव, डिंपल यादव, उमर अब्दुल्ला, सचिन पायलट और गुलाम नबी आजाद भी समारोह में पहुंचे।फिल्म जगत से शाहरुख खान, सलमान खान, जया बच्चन, सोनू निगम, जैकी श्रॉफ और उदित नारायण जैसे सितारों ने शिरकत की। वहीं मीका सिंह और दलेर मेहंदी ने भी कार्यक्रम में मौजूदगी दर्ज कराई।आध्यात्मिक जगत से स्वामी रामदेव और धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री सहित कई प्रमुख हस्तियों ने नवदंपति को आशीर्वाद दिया। इसके अलावा कपिल शर्मा और कुमार विश्वास भी इस खास मौके पर नजर आए।दिल्ली के नेशनल स्टेडियम में आयोजित इस समारोह की खासियत दो अलग-अलग संस्कृतियों का सुंदर संगम रहा। 'फॉर्मल' थीम पर आधारित इस शादी ने अपने भव्य आयोजन और सितारों की मौजूदगी से सभी का ध्यान खींचा।

नए स्मार्ट कोच और आधुनिक सुविधाओं से सफर होगा ज्यादा सुरक्षित और आरामदायक

भारतीय रेलवे यात्रियों के अनुभव को बेहतर बनाने के लिए आधुनिक कोच और उन्नत सुविधाओं पर तेजी से काम कर रहा है।नए डिजाइन में सुरक्षा, आराम और स्वच्छता को प्राथमिकता देते हुए सीटिंग, लाइटिंग और शौचालय में बड़े बदलाव किए जा रहे हैं।सैंपल कोच के सफल परीक्षण के बाद इन सुविधाओं को चरणबद्ध तरीके से देशभर की ट्रेनों में लागू किया जाएगा।

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

भारतीय रेलवे ने ट्रेन यात्रा को पहले से ज्यादा सुरक्षित और आरामदायक बनाने की दिशा में काम तेज कर दिया गया है। रेल मंत्रालय ने रविवार को जानकारी दी कि, रेलवे नए और आधुनिक डिजाइन के कोच तैयार कर रहा है। इन कोचों में यात्रियों की सुविधा और सुरक्षा को ध्यान में रखकर बदलाव किए जा रहे हैं, जिससे सफर का अनुभव बेहतर हो सके। इसके अलावा ट्रेनों में लगे शौचालय को भी अपग्रेड करने की योजना है। इन्हें ज्यादा साफ सुथरा और आधुनिक बनाया जाएगा, ताकि यात्रियों को स्वच्छ और बेहतर सुविधाएं मिल सकें। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के अनुसार, रेलवे ने मौजूदा कोचों को अपग्रेड कर एक सैंपल कोच तैयार किया है। इस कोच में नई तकनीक और उन्नत सुविधाओं को शामिल किया गया है, जिससे यात्रा पहले से अधिक आरामदायक हो सके। इससे खास तौर पर लंबी दूरी की यात्रा करने वाले यात्रियों को इन बदलावों का सीधा लाभ मिलेगा। नए कोच बेहतर सुविधा और आराम के साथ सफर के अनुभव को और सहज बनाने में मदद करेंगे। नए डिज़ाइन के कोच में सीटों को पहले से ज्यादा आरामदायक बनाया गया है। इसके साथ ही कोच के अंदर की लाइटिंग, वेंटिलेशन और साफ सफाई पर खास ध्यान दिया गया है। यात्रियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए आधुनिक सुरक्षा फीचर्स भी जोड़े जा रहे हैं, ताकि आपात स्थिति में बेहतर तरीके से निपटा जा सके। शौचालय में भी बड़े बदलाव किए जा रहे हैं। इन्हें अधिक स्वच्छ, टिकाऊ और उपयोग में आसान बनाया जा रहा है। पानी की बचत और बेहतर सफाई व्यवस्था के लिए नई तकनीकों का इस्तेमाल किया जा रहा है, जिससे यात्रियों को साफ-सफाई के मामले में बेहतर अनुभव मिल सके। रेलवे अधिकारियों के अनुसार, इस सैंपल कोच के सफल परीक्षण के बाद चरणबद्ध तरीके से अन्य ट्रेनों में भी ऐसे कोच लगाए जाएंगे। इससे देशभर में रेल यात्रा की गुणवत्ता में सुधार आने की उम्मीद है। रेलवे के मुताबिक, अमृत भारत एक्सप्रेस के कोचों को खास डिजाइन के साथ तैयार किया जा रहा है, ताकि यात्रियों को सिर्फ आराम ही नहीं बल्कि आधुनिक और प्रीमियम यात्रा का अनुभव भी मिल सके। कोच के इंटीरियर को पूरी तरह नया रूप दिया गया है। फर्श पर पीवीसी फ्लोरिंग लगाई गई है, जबकि सीट और बर्थ पर नई रेक्सीन का इस्तेमाल किया गया है। इसके साथ ही फोल्डेबल स्नैक टेबल, खिड़कियों के परदे और अत्याधुनिक शौचालय जैसी सुविधाएं भी जोड़ी गई हैं। इन सभी बदलावों में एक समान रंग संयोजन रखा गया है, जिससे कोच का अंदरूनी हिस्सा आकर्षक नजर आता है। साथ ही इस एकरूपता से यात्रियों को सफर के दौरान सुकूनभरा और बेहतर माहौल मिलने की उम्मीद है। रेलवे के अनुसार, इन कोचों के डिजाइन में केवल आकर्षक लुक पर ही नहीं, बल्कि सुरक्षा और मजबूती पर भी खास ध्यान दिया गया है। यात्रियों की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए हर पहलू को ध्यान में रखकर बदलाव किए गए हैं। कोच में इस्तेमाल की गई सभी सामग्री उच्च स्तर के HL-3 फायर सेफ्टी मानकों के अनुरूप है। इससे किसी भी आपात स्थिति में आग लगने के खतरे को कम करने और यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी।

AI और ओपन-सोर्स डेटा से अमेरिकी सेना की गतिविधियों पर नजर

टीवी भारतवर्ष अंतर्राष्ट्रीय

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार चीनी कंपनियां ईरानी संघर्ष के दौरान अमेरिकी सेना की गतिविधियों को ट्रैक करने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और ओपन-सोर्स डेटा का इस्तेमाल कर रही हैं। द वॉशिंगटन पोस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक, चीन की कई प्राइवेट कंपनियां ऐसे इंटेलिजेंस टूल्स की मार्केटिंग कर रही हैं, जो अमेरिकी सेना की गतिविधियों को एक्सपोज करने का दावा करते हैं। हालांकि, चीन ने खुद को सार्वजनिक तौर पर खुद को इस संघर्ष से दूर रखने का दावा किया है। कंपनियां पश्चिम एशिया में अमेरिकी सेना की तैनाती का विस्तार से विश्लेषण करने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को सार्वजनिक रूप से उपलब्ध डेटा के साथ मिला रही हैं। इस डेटा में सैटेलाइट इमेजरी, फ्लाइट ट्रैकर और शिपिंग जानकारी शामिल है। पांच हफ्ते पहले ईरान संघर्ष शुरू होने के बाद से यह ट्रेंड और बढ़ गया है। ऑनलाइन पोस्ट में अमेरिकी कैरियर मूवमेंट, एयरक्राफ्ट की पोजिशनिंग और बेस गतिविधियों की डिटेल्स दिखाई गई हैं। इसे विश्लेषक तेजी से बढ़ता इंटेलिजेंस मार्केटप्लेस बता रहे हैं। इसमें शामिल कुछ कंपनियों के चीन के मिलिट्री इकोसिस्टम से लिंक होने का दावा किया जा रहा है। द वाशिंगटन पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार, यह चीन की रक्षा क्षमता में निजी क्षेत्र के नवाचार को शामिल करने की एक बड़ी कोशिश का हिस्सा है, जिसे उसकी सिविल-मिलिट्री एकीकरण रणनीति के तहत बड़ा सरकारी निवेश भी मिला है। अमेरिकी मीडिया ने कहा कि अमेरिका के अधिकारियों और विश्लेषकों के विचार इस मुद्दे पर अलग-अलग हैं कि खतरा कितना गंभीर है।

अमेरिकी पायलट ने खोली पोल

डिकॉय तकनीक से भारत ने पाकिस्तान को किया भ्रमित

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

भारत ने पिछले साल ऑपरेशन सिंदूर कर आतंकवाद और उसकी सहायता कर रही पाकिस्तानी सेना के खिलाफ सख्त संदेश दिया था. इस जंग में दुनिया ने भारत के डिफेंस का लोहा माना था. भारतीय सेना से मुंह की खाने के बाद पाकिस्तान के पीएम शहबाज शरीफ और सीडीएफ आसिम मुनीर अपनी जनता को खुश करने के लिए ये दावा करने लगे कि उन्होंने भारत के राफेल फाइटर जेट को मार गिराया, लेकिन भारत ने पाकिस्तान के दावे को झूठा करार दिया. स बीच पूर्व अमेरिकी फाइटर जेट पायलट ने बताया कि कैसे भारतीय वायुसेना ने डिकॉय तकनीक (भ्रम की स्थिति पैदा करना) का इस्तेमाल कर पाकिस्तान में घुसकर तबाही मचाई थी. न्यूज एजेंसी एएनआई को दिए इंटरव्यू में पूर्व एफ-15E कॉम्बैट फाइटर रेयान बोडेनहाइमर ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान की गई अपनी रिसर्च के बारे में बताया. उन्होंने कहा कि भारत ने डिकॉय टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल इतने बेहतरीन ढंग से किया कि पाकिस्तान को अभी तक लगता है कि उसने फाइटर जेट गिराए हैं. उन्होंने कहा, 'भारत ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान एडवांस टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल किया था. ऑपरेशन के बाद सामने आई तस्वीरों को गौर से देखने के बाद पता चला कि पाकिस्तानी जिस फाइटर जेट्स को गिराने की बात कह रहे थे वो वास्तव में ड्राप टैंक्स (ईंधन टैंक) थे. एयरफोर्स जब आसमान में लड़ते हैं तो ऐसी स्थिति सामान्य होती है. टैंक में मौजूद फ्यूल का इस्तेमाल करने के बाद फाइटर पायलट इसे गिरा देते हैं. भारत ने काफी स्मार्ट तरीके से इसी डिकॉय तकनीक का इस्तेमाल किया.'रेयान बोडेनहाइमर ने फ्रांस के राफेल फाइटर जेट की जमकर तारीफ की. उन्होंने कहा, 'राफेल काफी मजबूत और एडवांस तकनीक से लैस फाइटर जेट है. मैंने अपने रिसर्च में पाया कि पाकिस्तान भले ही सोचता हो कि उसने राफेल को गिरा दिया, लेकिन वह ऐसा करने में कामयाब नहीं हुआ. इस टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल करने से भारत को बहुत फायदा हुआ.

सिंध में ईंधन महंगाई पर उबाल विरोध प्रदर्शन का आह्वान

टीवी भारतवर्ष अंतर्राष्ट्रीय

अमेरिका-ईरान संघर्ष के बीच ईंधन की कीमतों में कुछ ही हफ्तों में लगभग दोगुनी बढ़ोतरी के बाद सिंध के राष्ट्रवादी नेतृत्व ने सार्वजनिक विरोध प्रदर्शन का जोरदार आह्वान किया है। एक्सप्रेस ट्रिब्यून की रिपोर्ट के अनुसार, इस तीव्र वृद्धि से मुद्रास्फीति और जीवनयापन की लागत पर पड़ने वाले व्यापक प्रभाव को लेकर चिंताएं बढ़ गई हैं। एक्सप्रेस ट्रिब्यून के मुताबिक, सिंध यूनाइटेड पार्टी (एसयूपी) के अध्यक्ष सैयद ज़ैन शाह ने नागरिकों से सड़कों पर उतरने का आग्रह करते हुए कहा कि हालिया मूल्य वृद्धि ने आम लोगों पर असहनीय बोझ डाल दिया है। उन्होंने मांग की कि सरकार या तो संघर्ष के बाद की गई बढ़ोतरी को वापस ले या इस्तीफा दे दे।शाह ने इस बात पर ज़ोर दिया कि बढ़ोतरी का पैमाना आर्थिक रूप से विनाशकारी है और जनता की सहनशीलता से परे है। उन्होंने प्रधानमंत्री शहबाज़ शरीफ़ और राष्ट्रपति आसिफ अली ज़रदारी से पेट्रोलियम उत्पादों पर सभी करों और शुल्कों को तुरंत समाप्त करने का आह्वान किया ताकि कीमतों को स्थिर किया जा सके। शाह ने सरकार के आर्थिक दृष्टिकोण की आलोचना करते हुए कहा कि नागरिकों को गलत नीतिगत निर्णयों के कारण नुकसान नहीं उठाना चाहिए। इस बीच, क़ौमी अवामी तहरीक (क़अत) के नेता अयाज़ लतीफ़ पालिज़ो ने पांच दिनों तक चलने वाले प्रांतव्यापी विरोध अभियान की घोषणा की। उन्होंने ईंधन की बढ़ती कीमतों के कारण अनियंत्रित मुद्रास्फीति की निंदा की। पालिज़ो ने सरकार पर अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के दबाव में काम करने का आरोप लगाया विशेष रूप से सब्सिडी में कटौती के संबंध में, और नीति निर्माण में भ्रष्ट तत्वों की संलिप्तता का आरोप लगाया, जैसा कि द एक्सप्रेस ट्रिब्यून ने उजागर किया है।

डोनाल्ड ट्रंप की सैन्य कार्रवाई का असर

अमेरिका में महंगाई बढ़ी, ईंधन महंगा

टीवी भारतवर्ष अंतर्राष्ट्रीय

ईरान के खिलाफ अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की सैन्य कार्रवाई अब खुद अमेरिका के लिए सिरदर्द बनती दिख रही है। युद्ध की वजह से अमेरिका में महंगाई तेजी से बढ़ने लगी है, जिसका सीधा असर आम नागरिकों की जेब पर पड़ रहा है। ईंधन की बढ़ती कीमतों की भरपाई के लिए दिग्गज ई-कॉमर्स कंपनी अमेजन ने अपनी डिलिवरी पर एक्स्ट्रा चार्ज लगाने की घोषणा की है। वहीं, कई एयरलाइन कंपनियों ने भी सामान ले जाने की फीस बढ़ा दी है। अमेरिकी परिवहन संघ के ताजा आंकड़ों के अनुसार, शुक्रवार को पेट्रोल की औसत कीमत 4.09 डॉलर प्रति गैलन तक पहुंच गई है। यह युद्ध शुरू होने से ठीक पहले की तुलना में एक डॉलर से भी ज्यादा की बढ़ोतरी है, जो अगस्त 2022 के बाद का सबसे ऊंचा स्तर है। डीजल की हालत और भी खराब है। पिछले साल जो डीजल 3.64 डॉलर था, वह अब बढ़कर 5.53 डॉलर प्रति गैलन हो गया है। डीजल की कीमतों में इस उछाल का सीधा असर खेती, निर्माण और ट्रांसपोर्ट सेक्टर पर पड़ेगा।बढ़ती लागत को देखते हुए अमेजन 17 अप्रैल से अपने सेलर्स पर 3.5 प्रतिशत का फ्यूल सरचार्ज लगाने जा रही है। इसी तरह, अमेरिकी डाक सेवा ने भी अस्थाई रूप से 8 प्रतिशत सरचार्ज लगाने का प्रस्ताव रखा है। यदि मंजूरी मिली, तो यह 26 अप्रैल से लागू होकर जनवरी 2027 तक जारी रह सकता है। विशेषज्ञों का मानना है कि अगर यह युद्ध लंबा खिंचा, तो अमेरिका की सप्लाई चेन पूरी तरह चरमरा सकती है। आर्थिक मामलों की जानकार रैशल जिएम्बा का कहना है कि यह एक ग्लोबल मार्केट है और अमेरिका इस महंगाई से बच नहीं पाएगा। उनके अनुसार, एक्सपर्ट्स की चिंता अब पहले से कहीं ज्यादा बढ़ गई है। वहीं, शिकागो फेडरल रिजर्व बैंक के अध्यक्ष ऑस्टन गूल्सबी ने चेतावनी दी है कि अगर ट्रांसपोर्टेशन की लागत बढ़ती है, तो इसका असर हर चीज की कीमत पर पड़ेगा। निकट भविष्य में उपभोक्ता इस बढ़ते बोझ को महसूस करेंगे। लोग पहले से ही बढ़ते खर्चों को लेकर काफी परेशान हैं।

संपादक की कलम से

तकनीक, युद्ध और बदलती जासूसी की दुनिया: दुनिया तेजी से बदल रही है, और इस बदलाव का सबसे बड़ा प्रभाव युद्ध और सुरक्षा के क्षेत्र में साफ दिखाई दे रहा है। हाल ही में सामने आई रिपोर्ट्स, जिनमें बताया गया है कि चीनी कंपनियां आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और ओपन-सोर्स डेटा का इस्तेमाल कर अमेरिकी सैन्य गतिविधियों पर नजर रख रही हैं, इस बदलाव का स्पष्ट संकेत देती हैं। यह केवल तकनीकी प्रगति नहीं, बल्कि वैश्विक शक्ति संतुलन में एक नए दौर की शुरुआत है।पहले जहां जासूसी और खुफिया जानकारी जुटाने का काम केवल सरकारी एजेंसियों तक सीमित था, वहीं अब निजी कंपनियां भी इस क्षेत्र में सक्रिय भूमिका निभा रही हैं। सैटेलाइट इमेजरी, फ्लाइट ट्रैकिंग और शिपिंग डेटा जैसे सार्वजनिक रूप से उपलब्ध संसाधनों को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के साथ जोड़कर ऐसी जानकारी तैयार की जा रही है, जो पहले केवल गुप्त माध्यमों से ही संभव थी। इससे यह स्पष्ट होता है कि भविष्य के युद्ध केवल मैदान में नहीं, बल्कि डेटा और तकनीक के स्तर पर भी लड़े जाएंगे।हालांकि, इस तरह की गतिविधियां कई गंभीर सवाल भी खड़े करती हैं। सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या ओपन-सोर्स डेटा का इस तरह उपयोग अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा बन सकता है? जब कोई भी संस्था या कंपनी सार्वजनिक डेटा को विश्लेषण कर संवेदनशील जानकारी निकाल सकती है, तो यह राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए एक नई चुनौती बन जाती है। इससे न केवल सैन्य रणनीतियों का खुलासा हो सकता है, बल्कि इससे गलत सूचनाएं फैलने का खतरा भी बढ़ जाता है।दूसरी ओर, यह भी सच है कि तकनीक को पूरी तरह रोकना संभव नहीं है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और डेटा एनालिटिक्स का विकास वैश्विक स्तर पर हो रहा है और हर देश इसे अपनी क्षमता बढ़ाने के लिए इस्तेमाल कर रहा है। ऐसे में जरूरी है कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इसके लिए स्पष्ट नियम और मानक तय किए जाएं, ताकि तकनीक का उपयोग जिम्मेदारी के साथ किया जा सके।भारत जैसे देशों के लिए यह एक महत्वपूर्ण सीख है। हमें न केवल अपनी रक्षा प्रणाली को मजबूत बनाना होगा, बल्कि साइबर और डेटा सुरक्षा के क्षेत्र में भी तेजी से आगे बढ़ना होगा। भविष्य की सुरक्षा केवल हथियारों से नहीं, बल्कि सूचना और तकनीक पर नियंत्रण से तय होगी। अंततः, यह कहा जा सकता है कि हम एक ऐसे दौर में प्रवेश कर चुके हैं, जहां युद्ध की परिभाषा बदल रही है। अब लड़ाई केवल सीमाओं पर नहीं, बल्कि डेटा, तकनीक और सूचना के स्तर पर भी लड़ी जाएगी। ऐसे में हर देश को सतर्क, सक्षम और तकनीकी रूप से आत्मनिर्भर बनना होगा, तभी वह इस नई चुनौती का सामना कर पाएगा।

NDA सरकार बनने का भरोसा

विकास और महिला सशक्तिकरण पर जोर

केरल विधानसभा चुनाव से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तिरुवल्ला में रैली कर NDA के पक्ष में माहौल बनाने की कोशिश की।उन्होंने LDF और UDF पर उपेक्षा का आरोप लगाते हुए केंद्र सरकार की योजनाओं और विकास कार्यों को गिनाया।पीएम ने महिलाओं के समर्थन और 'डबल इंजन सरकार' के जरिए राज्य में बदलाव लाने का भरोसा जताया।

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

केरल में विधानसभा चुनाव का बिगुल बज चुका है। इस बीच पीएम मोदी केरल के तिरुवल्ला विधानसभा क्षेत्र में चुनाव प्रचार के लिए पहुंचे। पीएम मोदी ने यहां पहुंचने के बाद सभा को संबोधित करते हुए श्री वल्लभम और तिरुवल्लुवर को प्रणाम किया। इसके अलावा सबरीमाला और स्वामी अय्यप्पा को नमन भी किया। पीएम मोदी ने सभा को संबोधित करते हुए कहा, "एनडीए पर आपका विश्वास और केरल की महिलाओं का अपार समर्थन पूरे राज्य में स्पष्ट है। मैं पहले भी यहां आ चुका हूं, लेकिन इस बार परिस्थितियां भिन्न हैं, माहौल बदल गया है। केरलम एक ऐतिहासिक परिवर्तन के लिए तैयार है। 9 अप्रैल को मतदान के बाद, भाजपा-एनडीए गठबंधन 4 मई को केरलम में सरकार बनाने जा रहा है।" पीएम मोदी ने आगेकहा,"हालहीमें #MeraBoothSabseMazboot अभियान के दौरान मेरी केरल के भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ व्यापक बातचीत हुई। केरल के 5,000 शक्ति केंद्रों से 1,25,000 से अधिक कार्यकर्ता जुड़े और अपने विचार साझा किए। एक बात स्पष्ट थी कि केरल ने एलडीएफ सरकार को सत्ता से बेदखल करने का मन बना लिया है। मेरे पहुंचने पर मैंने देखा कि कार्यक्रम स्थल तक जाने वाले पूरे रास्ते पर भारी भीड़ उमड़ी हुई थी। वामपंथी मानव श्रृंखला की बात करते हैं, लेकिन केरल के लोगों ने एनडीए के प्रति अपना प्रेम मानव दीवार बनाकर दिखाया है।" पीएम मोदी ने कहा, "एलडीएफ और यूडीएफ सरकारों ने लंबे समय से इस क्षेत्र की उपेक्षा की है। संपर्क मार्ग जर्जर हालत में हैं। वर्षों से कोई नया पुल नहीं बना है, और मेडिकल कॉलेज की हालत बेहद चिंताजनक है। बुनियादी ढांचे की इस कमी से यह स्पष्ट है कि आपके जीवन स्तर पर कितना गंभीर प्रभाव पड़ा है। जब केंद्र में एलडीएफ और यूडीएफ सत्ता में थे, तब केरल को इससे कहीं कम सुविधाएं मिलीं। मोदी सरकार के कार्यकाल में, उस अवधि की तुलना में राज्य को पांच गुना अधिक धनराशि आवंटित की गई है।" नॉर्थईस्ट का जिक्र करते हुए पीएम मोदी ने कहा, "पूर्वोत्तर में, जहां ईसाई आबादी काफी अधिक है, एनडीए ने 7 राज्यों में सरकार बनाई है। हमने दशकों से लंबित कार्यों को पूरा किया है। गोवा में भी, जहां ईसाई समुदाय की अच्छी खासी आबादी है, हम सेवा और विकास को गति प्रदान करना जारी रखे हुए हैं। केरल में, हम सरकार बनाएंगे, जीवन स्तर में सुधार करेंगे और मछुआरों और स्थानीय समुदायों की चिंताओं का समाधान करेंगे। सबरीमाला रेलवे परियोजना से पूरे क्षेत्र में नए अवसर खुलेंगे और सबरीमाला तीर्थयात्रियों से सीधा जुड़ जाएगा। इससे स्थानीय व्यापार को बढ़ावा मिलेगा और युवाओं के लिए रोजगार के अवसर पैदा होंगे। हालांकि, राज्य सरकार ने इस परियोजना में लगातार बाधाएं खड़ी की हैं। केरल में भाजपा की दोहरी इंजन सरकार सत्ता में आते ही ये बाधाएं दूर हो जाएंगी।" उन्होंने कहा, "यदि किसी समूह को एनडीए की नीतियों से सबसे अधिक लाभ हुआ है, तो वह महिलाएं हैं। महिला सशक्तिकरण हमारी प्राथमिकता है। हमने उनके जीवन के हर स्तर पर चुनौतियों का समाधान करने के लिए काम किया है। शौचालय निर्माण और बैंक खाते खोलने से लेकर उनके नाम पर घर उपलब्ध कराने और मुद्रा ऋण के माध्यम से उद्यमिता को बढ़ावा देने तक, हमने उनकी नींव मजबूत की है।

ममता बनर्जी का आरोप: वोटर लिस्ट और EVM पर BJP पर निशाना, वोट से जवाब की अपील

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने रविवार को चुनावी सभा में मतदाताओं से अपील की कि वे वोट के जरिए बदला लेने की अपील की है। उन्होंने आरोप लगाया कि विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के दौरान कई लोगों के नाम मतदाता सूची से हटा दिए गए हैं। इसके अलावा उन्होंने भवानीपुर में एक रैली में अपनी कार्यकर्ताओं से ईवीएम की निगरानी करने के लिए कहा है। रविवार को समसेरगंज में आयोजित रैली को संबोधित करते हुए तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ने कहा कि जिन लोगों के नाम सूची से हटे हैं, वे ट्रिब्यूनल में अपील करें और मतदान के जरिए इसका जवाब दें। उन्होंने कहा, ऐसा वोट करें कि नतीजे ही बता दें कि नाम हटाने की राजनीति स्वीकार नहीं है। ममता बनर्जी ने बिना नाम लिए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि राज्य में मतदाताओं के नाम हटाने के पीछे उनकी भूमिका है। उन्होंने चुनौती देते हुए कहा, अगर हिम्मत है तो सीधे मुकाबला करें। मुख्यमंत्री ने पार्टी कार्यकर्ताओं से 4 मई तक पूरी सतर्कता बरतने को कहा। उन्होंने यह भी आशंका जताई कि कुछ जगहों पर ईवीएम मशीनें खराब कराई जा सकती हैं। ऐसे में उन्होंने निर्देश दिया कि मशीनों की मरम्मत न होने दें, बल्कि उन्हें बदलने की मांग करें। ममता बनर्जी ने कहा, "सभी ईवीएम मशीनों की अच्छी तरह से जांच करें। बूथ एजेंटों को भी ईवीएम की अच्छी तरह से जांच करनी चाहिए... मुझे उनकी योजना पता है... वोटिंग के बाद, सीआरपीएफ और केंद्रीय बलों की निगरानी में, वे अंदर जाकर मशीन बदल सकते हैं, इसलिए हमें 24 घंटे निगरानी रखनी होगी। आपको ध्यान से देखना होगा कि वे ईवीएम को हैक न कर लें। मुर्शिदाबाद जिले के समसेरगंज, जो 2025 में वक्फ बिल के विरोध में हिंसा का केंद्र रहा था, वहां ममता ने कहा कि उनकी सरकार ने हमेशा मुस्लिम समुदाय के हितों की रक्षा की है। उन्होंने भाजपा पर उनके खिलाफ झूठ फैलाने का आरोप लगाया। मुख्यमंत्री ने निर्वाचन आयोग पर भी निशाना साधते हुए कहा कि एसआईआर के नाम पर कुछ लोगों के नाम हटाए जा रहे हैं और कुछ को डराया जा रहा है। उन्होंने सवाल किया कि 2024 के लोकसभा चुनाव वाली मतदाता सूची से ही विधानसभा चुनाव क्यों नहीं कराए जा सकते थे। ममता बनर्जी ने साफ कहा कि उनकी सरकार एनआरसी के नाम पर किसी भी तरह के डिटेंशन सेंटर नहीं बनने देगी।

राहुल गांधी का असम में हमला

हिमंता पर कार्रवाई की चेतावनी

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

असम विधानसभा चुनाव के मद्देनजर राहुल गांधी ने बिस्वनाथ में एक विशाल जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा पर कड़ा प्रहार करते हुए भ्रष्टाचार और परिवारवाद के गंभीर आरोप लगाए। राहुल गांधी ने कहा कि हिमंता बिस्वा सरमा ने अपने परिवार को भ्रष्टाचार में शामिल कर बड़ी भूल की है। उन्होंने चेतावनी दी कि कांग्रेस के सत्ता में आने पर उनके खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। राहुल गांधी ने तीखे लहजे में कहा कि मुख्यमंत्री को उनके किए के लिए माफी नहीं मिलेगी और उन्हें जेल भेजकर ही दम लिया जाएगा। राहुल गांधी ने मुख्यमंत्री को देश का 'सबसे भ्रष्ट मुख्यमंत्री' करार देते हुए कहा कि वह नफरत की राजनीति कर रहे हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि हिमंता बिस्वा सरमा घबराए हुए हैं क्योंकि उन्हें पता है कि कांग्रेस के 'बब्बर शेर' उन्हें छोड़ने वाले नहीं हैं। असम की विविधता का जिक्र करते हुए राहुल गांधी ने कहा, 'असम एक फूलों के गुलदस्ते जैसा है, जहां हर समुदाय इसकी असली ताकत है।' उन्होंने गोरखा समुदाय के योगदान की सराहना करते हुए कहा कि सीमाओं पर देश की रक्षा करने वाले इस समाज ने राष्ट्र को बहुत कुछ दिया है। राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि असम की सरकार दिल्ली से नियंत्रित हो रही है। उन्होंने कहा कि नरेंद्र मोदी और अमित शाह के पास मुख्यमंत्री के भ्रष्टाचार का पूरा कच्चा चिट्ठा है, इसलिए हिमंता वही करते हैं जो उन्हें ऊपर से कहा जाता है। उन्होंने फिर दोहराया कि भ्रष्टाचार के इस मामले में अब मुख्यमंत्री का परिवार भी कानूनी कार्रवाई की जद में आएगा। वहीं, गुवाहाटी में कांग्रेस सांसद इमरान प्रतापगढ़ी ने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि पार्टी के भीतर भारी असंतोष है। उन्होंने कहा कि हिमंता बिस्वा सरमा की हताशा साफ झलक रही है। इमरान ने इस चुनाव को 'नफरत

बनाम असम के गौरव' का मुकाबला बताते हुए कहा कि भाजपा के पास दिखाने के लिए कोई उपलब्धि नहीं है, इसलिए वह बार-बार घुसपैठियों जैसे मुद्दों का सहारा ले रही है। असम में 9 अप्रैल को मतदान होना है और चुनाव के नतीजे 4 मई को घोषित किए जाएंगे।

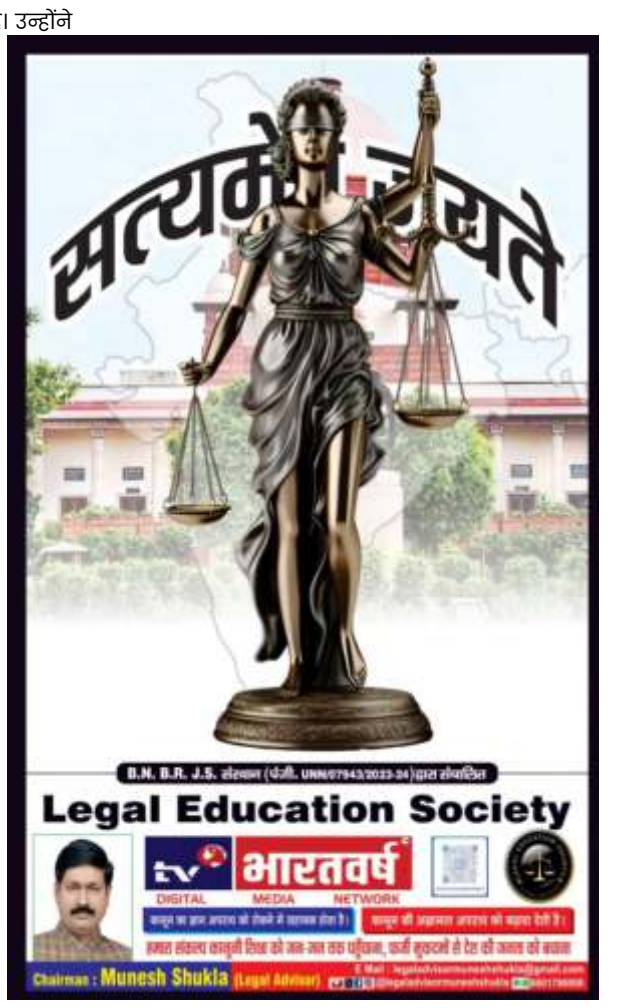

डिजिटल शिक्षा का बढ़ता प्रभाव

गांवों से शहरों तक बदल रही पढ़ाई की तस्वीर

भारत में शिक्षा का स्वरूप तेजी से बदल रहा है और इस परिवर्तन के पीछे सबसे बड़ा कारण डिजिटल तकनीक का तेजी से विस्तार है। पिछले कुछ वर्षों में ऑनलाइन शिक्षा प्लेटफॉर्म, स्मार्ट क्लासरूम, वर्चुअल लर्निंग और मोबाइल ऐप्स के माध्यम से पढ़ाई करना न केवल आसान हुआ है, बल्कि पहले की तुलना में अधिक सुलभ और लचीला भी बन गया है। खासतौर पर कोरोना महामारी के दौरान जब स्कूल और कॉलेज लंबे समय तक बंद रहे, तब डिजिटल लर्निंग ने शिक्षा व्यवस्था को संभालने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस दौर ने यह साबित कर दिया कि तकनीक के माध्यम से शिक्षा को किसी भी परिस्थिति में जारी रखा जा सकता है।आज देश के शहरी ही नहीं, बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों में भी शिक्षा के क्षेत्र में डिजिटल माध्यमों का प्रभाव स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है। छात्र अब मोबाइल फोन, टैबलेट और लैपटॉप के जरिए घर बैठे ही पढ़ाई कर रहे हैं। ऑनलाइन क्लासेस, रिकॉर्डेड वीडियो लेक्चर, ई-बुक्स और डिजिटल नोट्स ने सीखने के तरीकों को पूरी तरह बदल दिया है। पहले जहां छात्रों को अच्छी शिक्षा के लिए बड़े शहरों का रुख करना पड़ता था, वहीं अब इंटरनेट के माध्यम से उन्हें वही सुविधाएं अपने गांव या छोटे शहर में ही उपलब्ध हो रही हैं। यह बदलाव विशेष रूप से उन छात्रों के लिए लाभकारी साबित हुआ है, जो आर्थिक या भौगोलिक कारणों से बेहतर शिक्षण संस्थानों तक नहीं पहुंच पाते थे।सरकारी और निजी दोनों क्षेत्रों में डिजिटल शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए कई पहल की गई हैं। विभिन्न ऑनलाइन प्लेटफॉर्म छात्रों को मुफ्त या सस्ती दरों पर गुणवत्तापूर्ण कंटेंट उपलब्ध करा रहे हैं। स्कूलों में स्मार्ट बोर्ड, प्रोजेक्टर और डिजिटल कंटेंट का उपयोग बढ़ रहा है। इसके साथ ही शिक्षकों को भी डिजिटल माध्यम से पढ़ाने के लिए प्रशिक्षण दिया जा रहा है, जिससे वे तकनीक का बेहतर उपयोग कर सकें। इससे शिक्षण प्रक्रिया अधिक इंटरैक्टिव और प्रभावी बन रही है।हालांकि, इस तेजी से हो रहे बदलाव के साथ कई चुनौतियां भी सामने आई हैं। सबसे बड़ी समस्या डिजिटल डिवाइड यानी तकनीकी संसाधनों की असमान उपलब्धता है। देश के कई हिस्सों में आज भी ऐसे छात्र हैं, जिनके पास स्मार्टफोन, कंप्यूटर या स्थिर इंटरनेट कनेक्शन नहीं है। इससे वे डिजिटल शिक्षा का पूरा लाभ नहीं उठा पाते। इसके अलावा, बिजली की अनियमित आपूर्ति और नेटवर्क की समस्या भी कई क्षेत्रों में बाधा बनती है।एक अन्य महत्वपूर्ण चुनौती स्वास्थ्य से जुड़ी है। लंबे समय तक स्क्रीन के सामने बैठकर पढ़ाई करने से छात्रों में आंखों की कमजोरी, सिरदर्द, नींद की समस्या और मानसिक तनाव जैसी दिक्कतें बढ़ रही हैं। साथ ही, ऑनलाइन शिक्षा में अनुशासन बनाए रखना भी एक चुनौती है, क्योंकि घर का माहौल हमेशा पढ़ाई के अनुकूल नहीं होता।इन चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए सरकार लगातार सुधार के प्रयास कर रही है। विभिन्न योजनाओं के तहत स्कूलों को डिजिटल रूप से सशक्त बनाया जा रहा है। ग्रामीण क्षेत्रों में इंटरनेट कनेक्टिविटी बढ़ाने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। शिक्षकों को डिजिटल ट्रेनिंग देकर उन्हें नई तकनीकों से परिचित कराया जा रहा है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में भी तकनीक आधारित शिक्षा को महत्वपूर्ण स्थान दिया गया है, जिससे शिक्षा को अधिक समावेशी, लचीला और प्रभावी बनाया जा सके।विशेषज्ञों का मानना है कि केवल डिजिटल या केवल पारंपरिक शिक्षा पर निर्भर रहना पर्याप्त नहीं होगा। दोनों का संतुलित मिश्रण ही सबसे बेहतर परिणाम दे सकता है। जहां डिजिटल शिक्षा ज्ञान को व्यापक और सुलभ बनाती है, वहीं पारंपरिक कक्षा शिक्षण छात्रों के सामाजिक और भावनात्मक विकास में मदद करता है।यदि तकनीक का सही और संतुलित उपयोग किया जाए, तो यह न केवल शिक्षा की गुणवत्ता को सुधार सकता है, बल्कि देश के हर कोने तक ज्ञान पहुंचाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। आने वाले समय में डिजिटल शिक्षा भारत की शिक्षा प्रणाली का एक अभिन्न हिस्सा बनने जा रही है, जो भविष्य की पीढ़ियों को अधिक सक्षम और आत्मनिर्भर बनाएगी।

कौशल आधारित शिक्षा पर जोर: रोजगार के नए अवसर खोल रही नई पहल

देश में शिक्षा का स्वरूप अब तेजी से बदल रहा है और इसे केवल डिग्री तक सीमित न रखकर कौशल विकास पर भी विशेष जोर दिया जा रहा है। बदलते समय और रोजगार की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए यह महसूस किया गया है कि केवल सैद्धांतिक ज्ञान पर्याप्त नहीं है, बल्कि छात्रों के पास व्यावहारिक और तकनीकी कौशल होना भी बेहद जरूरी है। इसी दिशा में नई शिक्षा नीति के तहत कई महत्वपूर्ण बदलाव किए गए हैं, जिनका उद्देश्य छात्रों को अधिक सक्षम और रोजगार के लिए तैयार बनाना है।नई शिक्षा व्यवस्था में इस बात पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है कि छात्र पढ़ाई के साथ-साथ ऐसे कौशल भी सीखें, जो उन्हें भविष्य में करियर बनाने में मदद करें। स्कूल और कॉलेज स्तर पर अब ऐसे कोर्स शुरू किए जा रहे हैं, जिनमें छात्रों को आईटी, डिजिटल मार्केटिंग, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, डाटा एनालिसिस और अन्य व्यावसायिक कौशल सिखाए जाते हैं। इससे छात्रों को न केवल नई तकनीकों की जानकारी मिलती है, बल्कि वे इनका उपयोग भी सीखते हैं।इस बदलाव का सबसे बड़ा फायदा यह है कि छात्र अपनी पढ़ाई पूरी करने के बाद सीधे रोजगार के लिए तैयार हो सकते हैं। पहले जहां डिग्री हासिल करने के बाद भी छात्रों को नौकरी के लिए अलग से प्रशिक्षण लेना पड़ता था, वहीं अब शिक्षा के दौरान ही उन्हें आवश्यक स्किल्स सिखाए जा रहे हैं। इससे समय की बचत होती है और रोजगार के अवसर भी बढ़ते हैं।सरकार भी इस दिशा में लगातार प्रयास कर रही है। विभिन्न योजनाओं और कार्यक्रमों के तहत युवाओं को ट्रेनिंग और इंटर्नशिप के अवसर दिए जा रहे हैं। इन कार्यक्रमों के माध्यम से छात्रों को उद्योगों के साथ जोड़ने की कोशिश की जा रही है, ताकि वे वास्तविक कार्यस्थल का अनुभव प्राप्त कर सकें।

अशोक शर्मा ने आईपीएल 2026 में

154.2 किमी/घंटा की रफ्तार से आग उगलती गेंद फेंकी

मोहम्मद शमी ने पावरप्ले में दो झटकों से तोड़ा दिया जहीर खान का रिकॉर्ड

इंडियन प्रीमियर लीग के 19वें सीजन का 10वां लीग मुकाबला सनराइजर्स हैदराबाद और लखनऊ सुपर जाएंट्स की टीम के बीच में हैदराबाद के राजीव गांधी इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में खेला जा रहा है। इस मैच में लखनऊ सुपर जाएंट्स टीम के कप्तान ऋषभ पंत ने टॉस जीतने के बाद पहले गेंदबाजी करने का फैसला लिया जिसे उनके गेंदबाजों ने पूरी तरह से सही साबित किया। इसमें मोहम्मद शमी ने काफी अहम भूमिका निभाई जिसमें उन्होंने सनराइजर्स हैदराबाद टीम के 2 सबसे खतरनाक बल्लेबाज अभिषेक शर्मा और ट्रैविस हेड को पवेलियन का रास्ता दिखाया। शमी ने इसी के साथ जहीर खान को एक खास मामले में पीछे भी छोड़ दिया। मोहम्मद शमी ने सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ मैच में पहले ओवर की आखिरी गेंद पर अपना पहला विकेट अभिषेक शर्मा के रूप में हासिल किया। इसके बाद शमी ने अपने दूसरे ओवर की शुरुआत करने के साथ पहली ही गेंद पर ट्रैविस हेड का विकेट लिया। इसी के साथ अब आईपीएल इतिहास में मोहम्मद शमी पावरप्ले में सबसे ज्यादा विकेट हासिल करने के मामले में जहीर खान को पीछे छोड़ते हुए 7वें नंबर पर पहुंच गए हैं। इस लिस्ट में टीम इंडिया से पिछले काफी लंबे समय से बाहर चल रहे तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार काबिज हैं, जिसमें उन्होंने आईपीएल इतिहास में पावरप्ले के दौरान अब तक कुल 79 विकेट हासिल किए हैं। सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ मुकाबले में मोहम्मद शमी का गेंद से शानदार प्रदर्शन देखने को मिला, जिसमें विरोधी टीम में शामिल एक से एक आक्रामक खिलाड़ी उनके खिलाफ रन बनाने में काफी संघर्ष करते हुए दिखाई दिए। मोहम्मद शमी ने इस में अपने 4 ओवर्स में जहां सिर्फ 9 रन दिए 2 विकेट लेने में भी कामयाब रहे।

1 विकेट लेते ही 200 क्लब में एंट्री पहले तेज गेंदबाज बनेंगे

आईपीएल 2026 का 11वां मुकाबला रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) और चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के बीच बंगलूरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में खेला जाएगा। इस मैच में आरसीबी के तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार बड़ी उपलब्धि हासिल कर सकते हैं। एक विकेट लेते ही वह इतिहास रच देंगे। दरअसल, भुवनेश्वर चेन्नई के खिलाफ एक विकेट लेते ही आईपीएल में अपने 200 विकेट पूरे कर लेंगे। वह दुनिया की सबसे प्रतिष्ठित लीग में यह उपलब्धि हासिल करने वाले पहले तेज गेंदबाज और कुल मिलाकर दूसरे गेंदबाज बनेंगे। भुवनेश्वर ने सीजन के पहले मैच में सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ चार ओवर में 31 रन देकर एक विकेट लिया था। आईपीएल इतिहास में सबसे ज्यादा विकेट लेने का रिकॉर्ड युजवेंद्र चहल के नाम है। आईपीएल 2026 में पंजाब किंग्स का हिस्सा चहल अब तक 176 मैचों की 174 पारियों में 224 विकेट ले चुके हैं। भुवनेश्वर आईपीएल इतिहास के दूसरे सफलतम गेंदबाज हैं। दाएं हाथ के इस तेज गेंदबाज ने अब तक खेले 191 मैचों की 191 पारियों में 199 विकेट लिए हैं। केकेआर के स्पिनर सुनील नरेन तीसरे स्थान पर हैं। नरेन ने 191 मैचों की 189 पारियों में 193 विकेट लिए हैं। नरेन के पास भी इस सीजन 200 विकेट पूरे करने का मौका है। पीयूष चावला ने 2008 से 2024 के बीच 192 मैचों की 191 पारियों में 192 विकेट लिए हैं। वह लीग के चौथे सफलतम गेंदबाज हैं। पीयूष अब आईपीएल का हिस्सा नहीं हैं। आईपीएल के पांचवें सफलतम गेंदबाज आर अश्विन हैं।

आखिरी ओवर के दांव से आरआर की रोमांचक जीत रवि शास्त्री ने की जमकर तारीफ

आरआर के कप्तान रियान पराग की ओर से मैच के आखिर में लिए गए एक साहसिक फैसले की बदौलत उनकी टीम ने गुजरात टाइटंस को हरा दिया। ये फैसला न सिर्फ निर्णायक साबित हुए, बल्कि इनकी भारत के पूर्व कोच रवि शास्त्री ने भी दिल खोलकर तारीफ की। नरेंद्र मोदी स्टेडियम में 211 रनों के लक्ष्य का बचाव करते हुए राजस्थान रॉयल्स की टीम चेज के ज्यादातर हिस्से में काफी मजबूत स्थिति में दिख रही थी। लेकिन, हालात तेजी से तब बदले, जब राशिद खान और कगिसो रबाडा ने जोरदार पलटवार किया। उन्होंने लगभग 200 के स्ट्राइक रेट से रन बनाकर गुजरात को फिर से मुकाबले में ला खड़ा किया। जैसे-जैसे मैच का रुख बदला, जीत के लिए आखिरी 12 गेंदों में 15 रनों की जरूरत रह गई। इस अहम मोड़ पर रियान पराग ने 19वां ओवर फेंकने के लिए जोफ्रा आर्चर पर भरोसा जताया। यह फैसला रंग लाया। आर्चर ने गेंद की लंबाई पर ध्यान दिया और अपनी रफ्तार का इस्तेमाल किया, जिससे बल्लेबाजों को हाथ खोलने का कोई मौका नहीं मिला। इस ओवर में सिर्फ चार रन बन सके। राशिद और रबाडा सिर्फ एक-एक रन ही बना पाए और कोई बाउंड्री नहीं लगी, जिससे आखिरी ओवर में जीत के लिए 11 रनों की दरकार रह गई। आखिरी ओवर के लिए रियान पराग ने नांद्रे बर्गर और संदीप शर्मा जैसे ज्यादा अनुभवी गेंदबाजों के बजाय तुषार देशपांडे को गेंद थमा दी। देशपांडे ने दबाव में भी शांत रहते हुए गेंदबाजी की और कप्तान के भरोसे को सही साबित किया। लगातार सटीक यॉर्कर फेंकते हुए उन्होंने सिर्फ पांच रन दिए और राशिद का विकेट भी निकाला। इस तरह रॉयल्स ने एक ऐसा मैच जीत लिया, जो कुछ देर पहले तक उनके हाथ से निकलता दिख रहा था।रवि शास्त्री ने मैच की गुणवत्ता और पराग के शांत स्वभाव दोनों की दिल खोलकर तारीफ करते हुए एक्स पर अपनी धमाकेदार प्रतिक्रिया दी है, जो खूब वायरल हो रही है। उन्होंने लिखा कि आईपीएल के इतिहास के सबसे बेहतरीन मैचों में से एक। इस मैच को हमेशा के लिए सहेज कर रख लें! रियान पराग, आप सच में लोहे के कलेजे वाले हैं और आपका भविष्य बहुत उज्ज्वल है, खासकर कप्तानी की भूमिका में। जबरदस्त मानसिक दृढ़ता। बहुत बढ़िया खेले!।

मसूड़ों का संक्रमण बना काल

दांत दिखवाने गया शख्स, काटने पड़ गए हाथ-पैर

डेवन वैंटरपूल नाम का एक शख्स अपने दांतों के दर्द और सूजन के नियमित चेकअप के लिए डेंटिस्ट के पास गया था. वहां जांच में पता चला कि उसके मसूड़े गंभीर रूप से सूजे हुए थे और उनसे खून बह रहा था. डेंटिस्ट के पास से आने के कुछ ही घंटों के बाद डेवन की हालत बिगड़ने लगी. उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया. कुछ ही हफ्तों बाद, उनकी स्वास्थ्य समस्याएं बेकाबू हो गईं और उनके शरीर के चार अंग काटने पड़े. डेली स्टार की रिपोर्ट के मुताबिक, डेवन की पार्टनर एलिसिया वाइल्डर का कहना है कि उन्हें उसी रात बाद में पता चल गया था कि डेवन के साथ कुछ

बहुत गलत हो रहा है. शुरू में उनमें फ्लू जैसे लक्षण दिखाई दिए और जब उनकी हालत में सुधार नहीं हुआ तो उन्हें दो दिन बाद इमरजेंसी वार्ड में भर्ती करना पड़ा. एलिसिया का कहना है कि तब पता चला कि डेवन सेप्टिक शॉक में चला गया है और उसके महत्वपूर्ण अंग काम करना बंद करने लगे हैं.

पहले जॉब से निकाला फिर WFH देकर काम का बोझ डाला

छंटनी के बीच टेक सेक्टर का 'जुगाड़'

टेक सेक्टर में चल रही छंटनी के बीच एक चौंकाने वाली कहानी सामने आई है. मोहाली के एक युवा टेक्नीशियन को अचानक नौकरी से निकाल दिया गया, लेकिन इसके बाद उसी कंपनी ने उसे एक अजीब सा ऑफर दे दिया. रेडिट पर शेयर की गई इस पोस्ट में टेक्नीशियन ने बताया कि 31 मार्च को कंपनी ने पूरी टीम की मीटिंग बुलाई. इस मीटिंग में बताया गया कि कंपनी के पास इस समय कोई खास प्रोजेक्ट नहीं है और पैसों की कमी के कारण वह कर्मचारियों को सैलरी नहीं दे पा रही है. इसके बाद करीब 20 लोगों की टीम से कहा गया कि वे उसी दिन को अपना लास्ट वर्किंग-डे मान लें. यह खबर सुनकर सभी कर्मचारी हैरान रह गए, क्योंकि उन्हें पहले से कोई

इस समय टेक सेक्टर में हालात काफी मुश्किल हैं. (Photo: Pexels)

जानकारी नहीं दी गई थी. अचानक नौकरी जाने से सभी लोग परेशान हो गए. लेकिन इसके बाद कंपनी ने उस टेक्नीशियन को अलग से बुलाकर एक नया ऑफर दिया. कंपनी ने कहा कि वह घर से काम (वर्क फ्रॉम होम) जारी रख सकता है और उसे हर महीने 25,000 रुपये दिए जाएंगे. यह उसकी पिछली सैलरी 23,000 रुपये से थोड़ी ज्यादा थी. हालांकि, इस ऑफर के साथ जिम्मेदारियां काफी बढ़ा दी गईं. टेक्नीशियन को कहा गया कि अगर कोई नया प्रोजेक्ट आता है, तो उसे अकेले ही पूरा काम संभालना होगा. इसमें फुल-स्टैक डेवलपमेंट और मोबाइल डेवलपमेंट दोनों शामिल होंगे.

सोशल मीडिया पर 'बोन स्मैशिंग' नाम का खतरनाक ट्रेंड वायरल हो रहा है, जिसमें युवा जॉ-लाइन शार्प करने के लिए चेहरे पर हथौड़ा मार रहे हैं. डॉक्टरों ने इसे बेहद खतरनाक बताते हुए गंभीर चोट और स्थायी नुकसान की चेतावनी दी है.

खतरनाक हुआ 'परफेक्ट लुक' का जुनून, चेहरे पर हथौड़ा मार रहे युवा

'बोन स्मैशिंग' का ट्रेंड वायरल

सोशल मीडिया पर वायरल होने की होड़ और परफेक्ट लुक पाने की चाहत अब खतरनाक स्तर तक पहुंचती जा रही है. इन दिनों एक नया और बेहद खौफनाक ट्रेंड तेजी से फैल रहा है, जिसे 'बोन स्मैशिंग' कहा जा रहा है. इस ट्रेंड में युवा अपने चेहरे की हड्डियों, खासकर जॉ-लाइन (जबड़े) को शार्प और आकर्षक बनाने के लिए खुद के चेहरे पर हथौड़े से वार कर रहे हैं.

यह ट्रेंड सबसे ज्यादा इंस्टाग्राम, टिकटॉक और अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर देखा जा रहा है, जहां लोग वीडियो बनाकर इसे शेयर कर रहे हैं. कई युवा इसे फॉलो भी कर

डॉक्टरों के मुताबिक, इस तरह की हरकतें जानलेवा भी साबित हो सकती हैं.

रहे हैं, बिना यह समझे कि यह उनके लिए कितना खतरनाक हो सकता है. इस ट्रेंड में लोग यह मानते हैं कि अगर वे अपने चेहरे की हड्डियों पर जोर से चोट करेंगे, तो वहां छोटे-छोटे फ्रैक्चर (माइक्रो फ्रैक्चर) होंगे. फिर जब ये हड्डियां ठीक होंगी, तो पहले से ज्यादा मजबूत और चौड़ी हो जाएंगी. उनका मानना है कि इससे उनकी जॉ-लाइन ज्यादा शार्प और आकर्षक दिखेगी. बताया जा रहा है कि यह ट्रेंड 'Looksmaxxing' नाम की एक ऑनलाइन कम्युनिटी से जुड़ा है. इस कम्युनिटी में लोग अपने लुक्स को बेहतर बनाने के लिए अलग-अलग तरीके अपनाते हैं, चाहे वे सुरक्षित हों या नहीं. इसे 20 साल के अमेरिकी इन्फ्लुएंसर ब्रैडेन पीटर्स, जिन्हें 'क्लैविकुलर' के नाम से भी जाना जाता है, ने काफी लोकप्रिय बना दिया. उनके वीडियो के बाद यह ट्रेंड तेजी से फैल गया.

डॉक्टरों और हेल्थ एक्सपर्ट्स ने इस ट्रेंड को लेकर कड़ी चेतावनी दी है. उनका साफ कहना है कि चेहरे पर हथौड़े से वार करने से हड्डियां मजबूत नहीं होतीं, बल्कि बुरी तरह टूट सकती हैं. इससे चेहरे की हड्डियां टूट सकती हैं, चेहरा हमेशा के लिए खराब या टेढ़ा हो सकता है. नसों को गंभीर नुकसान पहुंच सकता है.

इंटरनल ब्लीडिंग हो सकता है. आंखों की रोशनी जाने तक का खतरा हो सकता है. डॉक्टरों के मुताबिक, इस तरह की हरकतें जानलेवा भी साबित हो सकती हैं. आज के समय में सोशल मीडिया पर परफेक्ट दिखने का दबाव बहुत बढ़ गया है. लोग ज्यादा लाइक्स और फॉलोअर्स पाने के लिए कुछ भी करने को तैयार हो जाते हैं.युवा खासकर 'परफेक्ट जॉ-लाइन' और 'अट्रैक्टिव लुक' के पीछे भाग रहे हैं, जिससे ऐसे खतरनाक ट्रेंड्स को बढ़ावा मिल रहा है.

ताज के दीदार के लिए आया 7 समंदर पार

न्यूयॉर्क से एक शख्स 15 घंटे की फ्लाइट से इंडिया सिर्फ एक दिन के लिए आया. क्योंकि, उसे सिर्फ ताजमहल देखना था. एक दिन में ही उसने दिल्ली और आगरा भी घूम लिया और ताजमहल का भी दीदार किया. न्यूयॉर्क के एक कंटेंट क्रिएटर ने भारत की एक दिवसीय यात्रा की और ताजमहल का दौरा किया. केविन ज़ोनियाक नाम के इस शख्स ने कहा कि बहुत कम लोग ऐसा करने को तैयार होंगे.

रश्मिका मंदाना का 30वां जन्मदिन: कम उम्र में स्टारडम की ऊंचाइयों तक पहुंचीं 'नेशनल क्रश'

05 अप्रैल को एक्ट्रेस रश्मिका मंदाना अपना 30वां जन्मदिन मना रही हैं। रश्मिका उन हिरोइनों में से एक हैं, जिन्होंने कम उम्र में ही शोहरत का ऐसा मुकाम हासिल किया है, जो किसी के लिए किसी सपने से कम नहीं है। एक्ट्रेस ने तेलुगू, तमिल, कन्नड़ और हिंदी भाषा में सुपरहिट फिल्में दी हैं। बॉलीवुड में भी रश्मिका मंदाना को काफी लकी माना जाता है। तो आइए जानते हैं उनके जन्मदिन के मौके पर एक्ट्रेस रश्मिका मंदाना के जीवन से जुड़ी कुछ रोचक बातों के बारे में कर्नाटक में 05

अप्रैल 1996 को रश्मिका मंदाना का जन्म हुआ था। वह एक मध्यमवर्गीय परिवार से ताल्लुक रखती थीं। उनके पिता का नाम मदन मंदाना थे, जोकि सरकारी नौकरी में बाबू थे। वहीं रश्मिका की मां हाउसवाइफ थीं। कॉलेज में पढ़ाई के दौरान उनकी एक्टिंग में दिलचस्पी जागी थी। साल 2014 में जब रश्मिका ग्रेजुएशन कर रही थीं, तो उनको पहली बार टाइम्स ने फ्रेश फेस के लिए चुना था। इस सम्मान ने उनके मन में ग्लैमर की दुनिया की ओर दिलचस्पी जगाई। वहीं रश्मिका को मॉडलिंग कॉन्टेस्ट में हिस्सा लेने का मौका मिला। एक अखबार में रश्मिका का विज्ञापन देखने के बाद क्रिक पार्टी के मेकर्स ने उनको अपनी फिल्म में चांस दिया। साल 2016 में क्रिक पार्टी रिलीज हुई और यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सुपरहिट रही। अपनी पहली फिल्म से वह फिल्मी दुनिया की स्टार बन गईं। फिर साल 2017 में रश्मिका ने 'चमक' और 'अंजनिपुत्र' जैसी फिल्मों में काम किया। वहीं साल 2018 में रश्मिका मंदाना की फिल्म 'गीता गोविंदम' रिलीज हुई थी। इस फिल्म में विजय देवरकोंडा ने लीड रोल निभाया था। यहां से दोनों की दोस्ती शुरू हुई और प्यार हो गया। वहीं हाल ही में रश्मिका और विजय ने शादी कर अपनी नई जिंदगी की शुरूआत की है। रश्मिका को फिल्म 'गीता गोविंदम' ने पक्की शोहरत मिली। इस फिल्म के बाद एक्ट्रेस के पास फिल्मों की झड़ी लग गई। फिर एक्ट्रेस ने कई सुपरहिट फिल्मों में काम किया। बॉलीवुड फिल्म 'छावा' में भी रश्मिका को काफी पसंद किया गया था। साथ ही एक्ट्रेस के किरदार को भी प्यार मिला था। रश्मिका मंदाना ने अभिनेता सलमान खान के साथ फिल्म 'सिकंदर' में भी काम किया है। इसके अलावा एक्ट्रेल अल्लू अर्जुन संग पुष्पा फिल्म के दोनों पार्ट्स में काम कर खूब प्यार बटोरा है।

पश्चिमी विक्षोभ का कहर: यूपी में आंधी-बारिश से जनहानि

फसलों को भारी नुकसान, फिर 7–9 अप्रैल तक अलर्ट

उत्तर प्रदेश में इन दिनों मौसम का मिजाज तेजी से बदल रहा है, जिसकी मुख्य वजह पश्चिमी विक्षोभ की सक्रियता है। यह एक ऐसा मौसम तंत्र है जो उत्तर भारत में अचानक बारिश, तेज आंधी और ओलावृष्टि जैसी स्थितियां पैदा करता है। आमतौर पर यह सर्दियों के अंत और गर्मियों की शुरुआत में अधिक प्रभावी होता है, लेकिन इस बार इसका असर अधिक तीव्र देखा गया है।

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

पश्चिमी विक्षोभ के असर से शनिवार को प्रदेश के अलग-अलग हिस्सों में बारिश हुई। कानपुर में 60 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से आई आंधी के साथ सर्वाधिक 21.4 मिमी. बारिश हुई। लखनऊ में 15 मिमी. बारिश दर्ज की गई। झांसी में ओले भी गिरे। एनसीआर के अलावा उन्नाव, कानपुर देहात, इटावा, औरैया, हरदोई, फतेहपुर में भी आंधी के साथ ही बारिश हुई।आंधी से पेड़ गिरने के कारण हुए हादसों में कानपुर में चार, सीतापुर में एक महिला और कासगंज में भाई-बहन की मौत हो गई। ग्रामीण क्षेत्रों में तेज हवा और बारिश के कारण खेतों में तैयार खड़ी चना, गेंहू, सरसों और अरहर की फसल बर्बाद हो गई। बांदा, चित्रकूट, हमीरपुर-महोबा और जालाेन में फसलों का काफी नुकसान हुआ है। आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया कि पांच अप्रैल को मौसम में सुधार के साथ ही छह अप्रैल को मौसम शुष्क रहने के आसार हैं। अगले पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से 7 से 9 अप्रैल के दौरान प्रदेश में आंधी-तूफान के साथ बारिश की संभावना है। मौसम विज्ञानी मो. दानिश के अनुसार, बारिश का असर सेंट्रल यूपी से पूर्वांचल की ओर स्थानांतरित हो सकता है। कानपुर और आसपास के इलाकों में आंधी-बारिश के साथ ओलावृष्टि हुई। आंधी में कानपुर के अलग-अलग इलाकों में 200 से ज्यादा पेड़ उखड़ गए। बिजली के छोटे-बड़े 92 से अधिक पोल के गिरने से बिजली आपूर्ति लड़खड़ा गई। दिल्ली-हावड़ा रूट, कानपुर-झांसी और कानपुर-फर्रुखाबाद रूट पर पेड़ गिरने से 22 से अधिक ट्रेनें फंस गईं। मरम्मत के बाद ट्रेनों का संचालन सामान्य हो सका। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को हुई बारिश से किसानों को होने वाले नुकसान के बारे में जिलाधिकारियों से रिपोर्ट मांगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि जनहानि, पशुहानि, घायलों व चोटिलों को 24 घंटे में मुआवजा दिलाना सुनिश्चित करें। इसमें लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि मौसम के कारण किसानों की बर्बाद हुई फसल के नुकसान का आकलन कर संपूर्ण जानकारी एकत्र करें और उन्हें जल्द से जल्द राहत दिलाएं। सभी जिलाधिकारियों को निरंतर फील्ड में रहने और प्रभावित क्षेत्रों में फसलों को हुए नुकसान का वास्तविक आकलन कराने का निर्देश दिया। जिन किसानों ने फसल का बीमा कराया है। खलिहान में रखी कटी फसल नुकसान होने पर 14 दिन तक बीमा से कवर्ड है। ऐसे किसान 72 घंटे के भीतर टोल फ्री 14447 नंबर पर समस्या दर्ज करा सकते हैं। मौसम विभाग के अनुसार, पश्चिमी विक्षोभ ने प्रदेश के मौसम को प्रभावित करना शुरू कर दिया है। शनिवार को कई जगह 50 से 60 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से हवा के बीच कहीं हल्की तो कहीं मध्यम गति से बारिश हुई। आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया कि कई जगह बारिश की वजह से तापमान के गिरावट दर्ज की गई। पांच अप्रैल को मौसम में सुधार के साथ ही छह अप्रैल को मौसम शुष्क रहने के आसार हैं। इस दौरान तापमान में दो से तीन डिग्री की मामूली वृद्धि दर्ज की जा सकती है।

बिना अनुमति प्रीपेड किए जाने पर उपभोक्ताओं का विरोध, पोस्टपेड की मांग तेज

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

उत्तर प्रदेश में अब स्मार्ट मीटर के प्रीपेड और पोस्टपेड होने को लेकर नया विवाद शुरू हो गया है। उपभोक्ताओं का आरोप है कि बिना उनकी अनुमति लिए उनके मीटर को प्रीपेड कर दिया गया है। वे अपने मीटर को पोस्टपेड करने के लिए अधिशासी अभियंता को पत्र लिख रहे हैं। सभी कार्यालयों में इस आशय के पत्रों की संख्या बढ़ने लगी है। प्रदेश में 78 लाख उपभोक्ताओं के यहां स्मार्ट मीटर लगाए गए हैं। इसमें 70.50 लाख उपभोक्ताओं के यहां प्रीपेड स्मार्ट मीटर लगा दिया गया है। पिछले दिनों लोकसभा में केंद्रीय ऊर्जा मंत्री ने बयान देकर स्थिति स्पष्ट कर दी है। उन्होंने साफ कहा कि बिना उपभोक्ता की इजाजत लिए मीटर को पोस्ट या प्रीपेड में नहीं बदला जा सकता है। यह उपभोक्ता पर निर्भर करता है कि वह प्रीपेड मीटर लगवाना चाहता है अथवा पोस्टपेड। उनके इस बयान के सामने आने के बाद ऊर्जा विभाग के कार्यालयों में बिना अनुमति प्रीपेड किए गए मीटरों को पोस्टपेड में बदलने के लिए आवेदन आने लगे हैं। अधिशासी अभियंताओं का कहना है कि काम का बोझ पहले से है। ऐसे में मीटर को लेकर शुरू हुआ नया विवाद अब अलग तरह की समस्या लेकर आया है। जबकि पॉवर कॉर्पोरेशन से उन्हें प्रीपेड मीटर लगाने का ही आदेश दिया गया था। कॉर्पोरेशन के अधिकारी इस मामले में चुप्पी साधे हुए हैं। निदेशक (वाणिज्य) प्रशांत वर्मा कहते हैं कि प्रीपेड स्मार्ट मीटर उपभोक्ता के लिए ज्यादा फायदेमंद है। वह जितनी बिजली खर्च करेगा, उतने रुपये जमा करते रहेगा। ऐसे में उस पर एकमुश्त भार नहीं पड़ेगा। राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद के अध्यक्ष अवधेश कुमार वर्मा ने जबरन प्रीपेड मीटर लगाने का आरोप लगाते हुए केंद्रीय ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल खट्टर और ऊर्जा सचिव को पत्र भेजा है।

लखनऊ नगर निगम पैनल के वकीलों की होगी छंटनी, तैयार की जा रही रिपोर्ट

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

लखनऊ नगर निगम पैनल से बड़ी संख्या में वकीलों को बाहर का रास्ता दिखाया जाएगा। इसके लिए अब स्क्रूटनी शुरू हो गई है। मेयर सुषमा खर्कवाल और नगर आयुक्त गौरव कुमार की तरफ से विधि विभाग की समीक्षा बैठक के बाद में इसका फैसला लिया गया है। इसके साथ ही विधि विभाग द्वारा सही ढंग से काम करने का निर्देश दिया गया है। वकीलों को केस देने के मामले में भी एक्सपीरियंस और अच्छे ट्रैक रिकॉर्ड की वरीयता दी जाएगी।नगर निगम के पैनल से ऐसे वकील बाहर किए जाएंगे, जिनकी परफोर्मेंस खराब है। या फिर ऐसे वकील जिन्होंने लंबे समय से कोई केस नहीं लड़ा है। नगर निगम के कुल करीब 480 केस हैं। इसमें प्रॉपर्टी से जुड़े हुए मामले सबसे अधिक हैं। सिविल में भी मुकदमों की संख्या दूसरे नंबर है। अधिकारी बताते हैं कि शहर के अधिकतर मामलों में अतिक्रमण, रोड निर्माण, कर्मचारी से जुड़े सहित अन्य मामले हैं। नगर निगम के कुल मुकदमों की संख्या 480 है। इनमें सबसे अधिक मुकदमे हाईकोर्ट में चल रहे हैं। नगर निगम में छंटनी होने वाले वकीलों में न्यूनतम 30 से अधिक की संख्या है। बैठक के दौरान मेयर सुषमा खर्कवाल ने अधिकारियों को निर्देश दिया था कि ऐसे वकीलों की सूची तैयार की जाए, जिन्हें बाहर करना है। ऐसे में अधिकारियों की तरफ से वकीलों को पैनल से बाहर निकालने की तैयारी शुरू हो गई है। सूची बनाई जा रही है। अधिकारियों का कहना है कि हमारे पास में केसों की संख्या कम है, जबकि अधिक संख्या में वकील हैं। ऐसे में काम के आधार पर छंटनी होगी, लेकिन अधिकारियों के सामने यह भी चुनौती है कि भाजपा नेताओं और आला अधिकारियों की पैरवी वाले वकीलों को बाहर न किया जाए। सिविल कोर्ट के आदेश पर 10 मार्च को नगर आयुक्त के ऑफिस

की कुर्की करने के लिए टीम पहुंची थी। इसमें कमजोर पैरवी के चलते स्थिति खराब हुई। बाद में नगर आयुक्त की सख्ती के बाद स्थिति सही हुई। अब ऐसे मामलों से बचने के लिए नगर निगम ने यह निर्णय लिया है। दरअसल, मैसर्स गंगा संस्थान कैसरबाग में 2019 में शेल्टर होम का संचालन करता था। नगर निगम ने दिसंबर 2019 में संस्था को बताया कि शेल्टर होम संचालन की अनुमति सितम्बर 2019 में रद्द कर दी गई है। संस्था ने 2019 में सितंबर से दिसंबर तक 3 महीने का शेल्टर होम संचालन में खर्च की गई राशि का भुगतान मांगा। नगर निगम ने भुगतान करने से मना कर दिया। नगर निगम के मना करने पर सिविल कोर्ट में बकाया राशि भुगतान के लिए वाद दायर किया। कोर्ट ने उनके फेवर में 2.17 लाख रूपए की डिक्री पारित की। उसी डिक्री के तहत टीम कुर्की की कार्रवाई करने पहुंची थी।

लखनऊ में 10 लाख की नकली सिगरेट बरामद

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

लखनऊ में 10 लाख रूपए कीमत की नकली सिगरेट पकड़ी गई है। क्राइम ब्रांच और पारा थाना पुलिस ने पारा के जीरो प्वाइंट इलाके में एक कार में सिगरेट के बंडल मिले। इस कार्रवाई में मध्य प्रदेश के मुरैना के 2 तस्कर भी गिरफ्तार हुए हैं। वे दिल्ली से नकली सिगरेट लाकर यूपी और बिहार में खपाते थे। तस्करों की वरना कार भी जब्त कर ली गई है। कार्रवाई शनिवार शाम को गई। पुलिस के अनुसार, 3940 डिब्बी नकली सिगरेट जब्त की गई। मुखबिर ने सूचना दी कि कुछ लोग कार में बड़ी मात्रा में सिगरेट लेकर जा रहे हैं। इस पर पुलिस आयुक्त अमरेंद्र कुमार सेंगर ने निर्देश दिए। पुलिस उपायुक्त (अपराध) अनिल कुमार यादव और अपर पुलिस उपायुक्त किरन यादव की क्राइम ब्रांच टीम और थाना पारा की टीम एक्टिव हो गई। गिरफ्तार किए गए तस्करों की पहचान शादाब अली (30) और शोएब अली (32) के रूप में हुई है। दोनों एमपी के मुरैना के गणेशपुरा के हैं। पुलिस के अनुसार, ये दोनों एक संगठित गिरोह के सदस्य हैं। यह गिरोह दिल्ली और मध्य प्रदेश सहित अन्य राज्यों से नकली सिगरेट लाकर उत्तर प्रदेश, बिहार और अन्य प्रदेशों में सप्लाई करता था। पूछताछ में सामने आया है कि आरोपी मोबाइल फोन के माध्यम से ऑर्डर लेते थे और तय स्थानों पर माल की डिलीवरी करते थे। पुलिस ने बताया कि बरामद सिगरेट की यह खेप दिल्ली के सदर बाजार से लाई गई थी, जिसे लखनऊ और आसपास के क्षेत्रों में खपाने की तैयारी थी। इस नेटवर्क के अन्य सदस्यों के बारे में जानकारी जुटाई जा रही है। जल्द ही और गिरफ्तारियां होने की संभावना है। बरामदगी में एक ग्रे रंग की वरना कार (नंबर MP07 CH 5106) भी शामिल है, जिसका उपयोग तस्करी के लिए किया जा रहा था।

लखनऊ में मिक्सर ट्रक ने युवक को शिनाख्त में लगी पुलिसकुचला

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

लखनऊ के दुबग्गा थाना क्षेत्र स्थित शालीमार गार्डन के पास शनिवार शाम मिक्सर ट्रक ने युवक को कुचल दिया। इसके बाद तेजी से आगे बढ़ गया। पास खड़े युवक ने उसे खदेड़ने की कोशिश की लेकिन पकड़ नहीं सका। जानकारी के अनुसार, संबंधित ट्रक शालीमार गार्डन इलाके में ही किसी कार्य में लगा हुआ था। युवक सड़क पार कर रहा था, तभी रॉन्ग साइड में मुड़ते हुए ट्रक के नीचे आ गया। पूरी दुर्घटना इत्तफाक से मौसम का वीडियो बना रहे किसी के फोन में कैद हो गई। सूचना मिलते ही दुबग्गा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। दुबग्गा इंस्पेक्टर श्रीकांत राय ने बताया- मृतक युवक की पहचान नहीं हो सकी है। उसकी शिनाख्त के लिए टीम लगाई गई है और आसपास के लोगों से पूछताछ की जा रही है। पुलिस CCTV फुटेज के आधार पर फरार ट्रक चालक की तलाश में जुटी है।

लखनऊ रेलवे स्टेशन ब्लास्ट साजिश का बड़ा खुलासा ATS ने चार गिरफ्तार किए

देशभर में आतंकी वारदातों को अंजाम देने की साजिश रचने के मामले में बड़ा खुलासा हुआ है। मेरठ का आकिब दुबई में बैठकर मॉड्यूल को ऑपरेट कर रहा है। आकिब ने ही साकिब का संपर्क सोशल मीडिया के जरिये पाकिस्तानी हैंडलर्स से कराया था। अंदेशा है कि आकिब ने देश में इस तरह के कई मॉड्यूल तैयार किए हैं, जिनकों देश के खिलाफ भड़काता है। ताकि, वह देश विरोधी गतिविधियों को अंजाम देकर विद्रोह करें। यूपी एटीएस ने बृहस्पतिवार को मेरठ के साकिब उर्फ डेविल, अरबाब, गौतमबुद्धनगर के विकास उर्फ रौनक और लोकेश उर्फ पपला पंडित को गिरफ्तार किया था। ये सभी लखनऊ रेलवे स्टेशन पर विस्फोट करने की साजिश रचकर उसको अंजाम देने पहुंचे थे। एडीजी कानून-व्यवस्था अमिताभ यश ने बताया कि आरोपी साकिब का कनेक्शन मेरठ के ही रहने वाले आकिब से है। आकिब लंबे समय से दुबई में है। उसी ने साकिब को सोशल मीडिया (इंस्टाग्राम व टेलीग्राम) के जरिये पाकिस्तानी हैंडलर्स से संपर्क कराया था। उसके बाद साकिब सीधे हैंडलर्स से बात कर उनको जानकारियां उपलब्ध करवा रहा था। एफआईआर में आकिब का नाम भी शामिल किया गया है। सूत्रों के मुताबिक, आकिब पाकिस्तान के बड़े हैंडलर्स के संपर्क में है। जिसकी जिम्मेदारी भारत में इस तरह के मॉड्यूल तैयार करना है। उसके जरिये और कौन कौन लोग हैंडलर्स से जुड़े? वह कहां के हैं? इन पहलुओं पर अब एटीएस की तरफ्तीश चल रही है। वह पकड़ा न जाए इसलिए दुबई को ठिकाना बनाए हुए हैं। सोशल मीडिया के जरिये ही ऑपरेट कर रहा है। अब उस पर शिकंजा कसेगा। एटीएस के पास उसके बारे में पूरी जानकारी है। एडीजी एलओ के मुताबिक आकिब ने अपने सोशल मीडिया में हथियारों के साथ फोटो डाली हैं। कई फोटो में एके-47 भी है उसके पास। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि आकिब पाकिस्तान के बड़े आतंकी संगठन के संपर्क में है। सूत्रों के मुताबिक सोशल मीडिया की इन्हीं तस्वीरों के आधार पर जांच एजेंसी ने तफ्तीश शुरू की थी। जिसके जरिये मॉड्यूल का खुलासा हुआ। आरोपी

शनिवार को कोर्ट में पेश किए गए। एटीएस ने उनकी कस्टडी रिमांड मांगी। कोर्ट ने पांच दिन की रिमांड मंजूर कर दी है। एटीएस की टीम आरोपियों से पूछताछ शुरू कर दी है। पूछताछ में आरोपी राज उगलेंगे। मॉड्यूल में और कौन कौन लोग शामिल हैं और कौन कौन सी वारदातों को अंजाम देने की साजिश थी, इन सभी सवालों के जवाब एटीएस उनसे पता करेगी।

बारिश से फसल नुकसान का आकलन

किसानों को जल्द मुआवजे का आश्वासन

टीवी भारतवर्ष उन्नाव

उन्नाव जिले में हाल ही में हुई तेज बारिश और खराब मौसम के कारण फसलों को हुए नुकसान का आकलन करने के लिए प्रशासनिक अधिकारियों ने शनिवार को सरोसी ब्लॉक के विभिन्न गांवों का स्थलीय निरीक्षण किया। अपर जिलाधिकारी सुशील कुमार और उपजिलाधिकारी सदर क्षितिज द्विवेदी ने खेतों में पहुंचकर किसानों से बातचीत की और फसलों की वास्तविक स्थिति का जायजा लिया।निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने गेहूं, दलहन और सब्जी की फसलों का बारीकी से मुआयना किया। कई स्थानों पर खेतों में पानी भरने और फसल गिरने की शिकायतें सामने आईं। किसानों ने बताया कि तेज हवाओं और बारिश के कारण तैयार खड़ी फसल को काफी नुकसान पहुंचा है, जिससे उनकी आर्थिक स्थिति प्रभावित होने की आशंका है। कुछ किसानों ने यह भी बताया कि कटाई के लिए तैयार फसल पूरी तरह बर्बाद हो गई है, जिससे उन्हें भारी नुकसान झेलना पड़ सकता है।अधिकारियों ने ग्राम प्रधानों और स्थानीय किसानों के साथ बैठक कर नुकसान से जुड़ी जानकारी एकत्र की। किसानों ने प्रशासन से जल्द सर्वे कराकर मुआवजा दिलाने की मांग की। इस पर अधिकारियों ने आश्वासन दिया कि शासन के निर्देशानुसार पारदर्शी तरीके से क्षति का आकलन किया जाएगा और पात्र किसानों को सहायता दिलाने की प्रक्रिया तेजी से पूरी की जाएगी। उन्होंने कहा कि किसी भी प्रकार की

लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और सभी प्रभावित क्षेत्रों को प्राथमिकता के आधार पर शामिल किया जाएगा।अपर जिलाधिकारी सुशील कुमार ने संबंधित राजस्व एवं कृषि विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि गांव-गांव जाकर फसल क्षति का विस्तृत सर्वे कराया जाए और रिपोर्ट शीघ्र जिला प्रशासन को उपलब्ध कराई जाए। उन्होंने जोर दिया कि किसी भी प्रभावित किसान को सहायता से वंचित नहीं रखा जाएगा। इसके साथ ही उन्होंने सर्वे कार्य में पारदर्शिता बनाए रखने और सही आंकड़े जुटाने पर विशेष ध्यान देने को कहा।वहीं, उपजिलाधिकारी सदर क्षितिज द्विवेदी ने किसानों से अपील की कि वे सर्वे टीम को सही जानकारी दें ताकि वास्तविक नुकसान का सटीक आकलन हो सके। उन्होंने यह भी कहा कि प्रशासन किसानों की हर संभव मदद के लिए तैयार है और उनकी समस्याओं को गंभीरता से लिया जा रहा है। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने खेतों की जल निकासी व्यवस्था भी देखी और जहां पानी भरा मिला, वहां संबंधित विभाग को तत्काल सुधारात्मक कदम उठाने के निर्देश दिए।प्रशासन ने कहा कि वह किसानों की समस्याओं के प्रति गंभीर है और हर संभव सहायता प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। इस निरीक्षण से किसानों में राहत की उम्मीद जगी है। अब सभी की निगाहें सर्वे रिपोर्ट पर टिकी हैं, जिसके आधार पर शासन स्तर से मुआवजा और राहत सहायता प्रदान की जाएगी। जिला प्रशासन ने कहा कि मौसम से प्रभावित किसानों को राहत दिलाना प्राथमिकता में शामिल है और पूरी प्रक्रिया तय समयसीमा में पूरी की जाएगी। साथ ही यह भी सुनिश्चित किया जाएगा कि सहायता राशि समय पर सीधे किसानों तक पहुंचे, जिससे उन्हें जल्द राहत मिल सके।

हिंदी रंगमंच दिवस पर किंग्सन इंटर कॉलेज में नाट्य मंचन, दर्शकों ने सराहा प्रदर्शन

टीवी भारतवर्ष उन्नाव

हिंदी रंगमंच दिवस पर किंग्सन इंटर कॉलेज में कार्यक्रम आयोजित किया। इसमें उदय सांस्कृतिक संस्थान ने साहित्यकार नसीर अहमद की कहानियों का मंचन किया। दर्शकों ने रंगकर्मियों के प्रस्तुतीकरण की सराहना की। सदर विधायक पंकज गुप्ता ने मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। विधायक ने कहा कि जनपद का साहित्य के क्षेत्र में बड़ा नाम है। हाल के दिनों में अन्य विधाओं में भी जिले ने दुनिया में नाम रोशन किया है। भारतीय धर्म संसद के प्रदेश अध्यक्ष सुरेंद्र वर्मा ने अतिथियों का स्वागत किया। प्रसिद्ध रंगकर्मी जब्बार अकरम के निर्देशन में मंचन हुआ। रहमान रूमी, जया उपाध्याय, शफी अहमद खान, रफीक अहमद ने अभिनय किया। राघवेंद्र सिंह और एसके ने भी विभिन्न कहानियों का मंचन किया। कॉलेज के प्रबंधक अहमद मोनिस रिजवी और पूर्व प्राचार्य रामनरेश के अलावा प्रेमचंद सिंह, अस्मिता उपाध्याय, दिव्यांशी अवस्थी और अखिलेश तिवारी भी मौजूद थे।

संविदाकर्मी पर अवैध वसूली का आरोप: 5 हजार लेकर दी 986 की रसीद

बिल संशोधन कराने के नाम पर संविदाकर्मी ने पांच हजार रुपये लेकर रसीद मात्र 986 रुपये की दी। मामला जानकारी में आने पर डीएम ने एक्सईएन को तीन दिन में समाधान कराने के निर्देश दिए। न होने पर कर्मी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराने की हिदायत दी। तहसील समाधान दिवस में भिखारीपुर पतसिया के रामखेलावन ने अवैध वसूली का शिकायतीपत्र दिया। बताया कि उपखंड कार्यालय के संविदाकर्मी ने पांच हजार रुपये लेकर मात्र 986 रुपये की रसीद दी। ग्राम जामड़ के प्रेम शंकर ने ग्रामीणों के साथ पहुंचकर प्रधान पद के लिए सीट ओबीसी के लिए आरक्षित कराने की मांग की। स्टेशन रोड निवासी बेबी मिश्रा ने रजिस्टर्ड वसीयत होने के बाद भी नगर पालिका के कर्मचारी पर संपत्ति विवाद में दबाव बनाने का आरोप लगाया। डीएम ने ईओ को नियमानुसार कार्रवाई के निर्देश दिए। कुल 146 प्रार्थनापत्रों में 19 का मौके पर निस्तारण किया गया। एसपी जयप्रकाश सिंह सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे। इसके बाद डीएम, एसपी ने ग्राम कुशराजपुर में पर्यटन विभाग द्वारा 69 लाख की कीमत से फूलमती देवी मंदिर के सुंदरीकरण कार्य का जायजा लिया। डीएम ने बीडीओ को मंदिर की चहारदीवारी बनवाने, सोलर लाइट की व्यवस्था कराने और भक्तों के बैठने के लिए बड़े हाल का निर्माण कराने के निर्देश दिए। भाजपा मंडल अध्यक्ष सोनू सिंह चंदेल, गुड्डू पाठक, सतीश यादव मौजूद रहे। सदर में एडीएम नमामि गंगे विधेश कुमार के पास 122 शिकायतें पहुंची। मात्र सात का ही मौके पर निस्तारण हो सका। ईदगाह कॉलोनी के रहने वालों में गुड़िया, विशालवती, कंचन, विमला, शिवाकांती ने शिकायतीपत्र दिया। बताया कि उनके प्लॉटों पर सभासद और बाहरी लोग मिलकर कब्जा करने की कोशिश कर रहे हैं। आरोप लगाया कि ये लोग जमीन को 2002 की बताकर हेरफेर कर कब्जा जमाना चाहते हैं। कई प्रार्थनापत्र के बाद भी जमीन की पैमाइश नहीं हुई।

परिवार से खुन्नस में बच्चे का कर लिया अपहरण

बिहार थाना क्षेत्र बेवल पकराखुर्द निवासी रामराज कोरी ने पुलिस को शनिवार दोपहर तहरीर दी। बताया कि 11 साल का बेटा उत्कर्ष क्षेत्र केदारखेड़ा स्थित शिवबालक सीताराम मेमोरियल पब्लिक स्कूल में कक्षा पांच में पढ़ता है। शनिवार दोपहर स्कूल से लौटते समय बिहार थाना क्षेत्र निवासी शिव कुमार नाम के युवक ने अपने साथियों की मदद से अपहरण किया और बाइक में बैठाकर भाग गया। उसने फोन करके बेटे को जान से मारने की धमकी। रात करीब आठ बजे बिहार थाना पुलिस को सूचना मिली कि आरोपी युवक बच्चे को लेकर कहीं भागने की फिराक में है। वह बच्चे को छोड़कर भागने के प्रयास में उसने पुलिस पर फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में पुलिस की गोली बदमाश के बाएं पैर में लगी।

उन्नाव PHC में लापरवाही का आरोप पैसे मांगने का वीडियो वायरल

उन्नाव जिले के बीघापुर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी) में एक गर्भवती महिला से डिलीवरी के लिए बाहर से दवाएं और अन्य सामान मंगवाने तथा पैसे मांगने का आरोप सामने आया है। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद स्वास्थ्य विभाग में हड़कंप मच गया। अधिकारियों ने मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच और कार्रवाई का आश्वासन दिया है। वायरल वीडियो में एक व्यक्ति अस्पताल परिसर में मौजूद महिला से पूछताछ कर रहा है। महिला ने बताया कि डिलीवरी के लिए अस्पताल में दवाएं उपलब्ध नहीं थीं, जिसके कारण उन्हें बाहर के मेडिकल स्टोर से लगभग 1100 रुपये की दवाएं खरीदनी पड़ीं। महिला रईथाना गांव की निवासी है और उसने स्टाफ द्वारा पर्चा लिखे जाने के बाद ही बाहर से दवाएं खरीदी थीं। महिला के अनुसार, अस्पताल में उन्हें बताया गया कि दवाएं उपलब्ध नहीं हैं। उसने यह भी बताया कि वह पहली बार इस पीएचसी में इलाज के लिए आई थी, जबकि आमतौर पर वह अचलगंज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जाती है, जहां उसे मुफ्त इलाज मिलता है।वीडियो में यह आरोप भी लगाया गया है कि डिलीवरी कराने के लिए लगभग 3000 रुपये की मांग की जा रही थी। हालांकि, महिला ने बताया कि उसकी डिलीवरी हो चुकी है, लेकिन दवाओं और अन्य खर्चों को लेकर विवाद जारी रहा। वीडियो बनाने वाले व्यक्ति ने अस्पताल प्रशासन पर सवाल उठाते हुए कहा कि यदि दवाएं उपलब्ध नहीं हैं, तो मरीजों को दूसरे स्वास्थ्य केंद्र रेफर किया जाना चाहिए, ताकि गरीब मरीजों पर अनावश्यक आर्थिक बोझ न पड़े। वीडियो में दवाइयों और ग्लव्स को दिखाते हुए यह सवाल भी उठाया गया कि जच्चा-बच्चा केंद्र में आवश्यक सामान क्यों उपलब्ध नहीं है। मौके पर मौजूद कुछ अन्य लोगों ने बताया कि बड़े स्वास्थ्य केंद्रों पर सुविधाएं आसानी से मिल जाती हैं, लेकिन छोटे केंद्रों पर मरीजों को अक्सर बाहर से सामान खरीदना पड़ता है। डीजी हेल्थ पवन कुमार ने कहा कि शिकायत की जानकारी मिलने के बाद वह सीएमओ से बात कर पूरे मामले की जांच कराएंगे। अधिकारी ने कहा कि प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में दवाएं बाहर से लिखे जाने और स्टाफ की अनुपस्थिति जैसी शिकायतें गंभीर हैं और इसकी जांच कर समाधान किया जाएगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और जिम्मेदारों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। अधिकारी ने यह भी कहा कि यदि अस्पताल में पर्याप्त स्टाफ मौजूद नहीं था या मरीजों को असुविधा हुई है तो संबंधित अधिकारियों को निर्देश जारी किए जाएंगे। उन्होंने मीडिया को मामले को संज्ञान में लाने के लिए धन्यवाद देते हुए कहा कि जांच रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

स्कूल चलो अभियान की शुरुआत

शिक्षा में 80 हजार करोड़ निवेश का दावा

उत्तर प्रदेश में 'स्कूल चलो अभियान' के तहत शिक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने और 100% नामांकन का लक्ष्य तय किया गया है।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कार्यक्रम के दौरान पिछली सरकार पर शिक्षा की उपेक्षा और नकल को बढ़ावा देने का आरोप लगाया।उन्होंने दावा किया कि वर्तमान सरकार ने शिक्षा क्षेत्र में 80,000 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश किया है।सरकार द्वारा छात्रों को यूनिफॉर्म, किताबें, जूते और बैग जैसी सुविधाएं मुफ्त उपलब्ध कराई जा रही हैं।साथ ही शिक्षकों और शिक्षा मित्रों के मानदेय में वृद्धि कर शिक्षा व्यवस्था को और मजबूत करने पर जोर दिया गया है।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 'स्कूल चलो अभियान' के शुभारंभ पर समाजवादी पार्टी पर शिक्षा की उपेक्षा करने और नकल को बढ़ावा देने का आरोप लगाया, साथ ही अपनी सरकार द्वारा शिक्षा में 80,000 करोड़ के निवेश और छात्रों को मुफ्त सुविधाएं देने का दावा किया। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को आरोप लगाया कि समाजवादी पार्टी ने 2017 से पहले राज्य में शिक्षा क्षेत्र की उपेक्षा की थी। स्कूल चलो अभियान के शुभारंभ के अवसर पर बोलते हुए, मुख्यमंत्री योगी ने आरोप लगाया कि समाजवादी पार्टी स्कूलों में नकल को बढ़ावा देती थी और बच्चों के कल्याण की उसे कोई चिंता नहीं थी। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि 2017 से पहले क्या स्थिति थी? न तो शिक्षा सरकार के एजेंडे में थी, न ही गरीब बच्चों या किसी आम बच्चे की कोई चिंता थी, क्योंकि 'उनके लोग' नकल को बढ़ावा देते थे। इसके विपरीत, यूपी के मुख्यमंत्री ने दावा किया कि उनकी सरकार ने स्कूली शिक्षा में 80,000 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश किया है। उन्होंने आगे कहा कि भाजपा प्रशासन ने बुनियादी शिक्षा परिषद के अंतर्गत नामांकित प्रत्येक बच्चे को ये व्यापक सुविधाएं निःशुल्क प्रदान की हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि उत्तर प्रदेश में हम स्कूली शिक्षा पर 80,000 करोड़ रुपये से अधिक खर्च करते हैं। दोहरी इंजन वाली सरकार ने बुनियादी शिक्षा परिषद में पढ़ने वाले प्रत्येक बच्चे को ये सभी सुविधाएं मुफ्त में प्रदान की हैं—एक वर्ष में दो यूनिफॉर्म, एक बैग, किताबें, जूते, मोजे और एक स्वेटर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मानदेय में महत्वपूर्ण वृद्धि की घोषणा करते हुए शिक्षकों का मासिक वेतन 17,000 रुपये और शिक्षा मित्रों का 18,000 रुपये निर्धारित किया है, जो अप्रैल से ही प्रभावी होगा। बाद में, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री ने शिक्षा के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि यह समाज को आकार देने का एक शक्तिशाली माध्यम है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को वाराणसी में व्यापक स्कूल चलो अभियान का शुभारंभ किया। उन्होंने मेधावी छात्रों को प्रमाण पत्र वितरित किए और 2026-27 शैक्षणिक वर्ष तक 100% नामांकन और प्रवेश सुनिश्चित किया।

मदरसा-मस्जिद समेत 5 दुकानों बुलडोजर के जरिए ध्वस्त किया गया

यूपी के संभल में एक बार फिर बुलडोजर गरजा है। संभल जनपद के असमोली थाना क्षेत्र के गांव मुबारकपुर बंद में रविवार को प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई करते हुए सरकारी जमीन पर बने अवैध निर्माणों पर बुलडोजर चला दिया। ग्राम समाज की करीब चार बीघा भूमि पर कब्जा कर बनाए गए मदरसा, मस्जिद और पांच दुकानों को ध्वस्त किया जा रहा है। यह कार्रवाई जिलाधिकारी डॉ. राजेंद्र पैंसिया के निर्देश पर की जा रही है। राजस्व प्रशासन द्वारा पहले ही कब्जाधारियों को आठ दिन का अल्टीमेटम दिया गया था। इसके बाद स्थानीय लोगों ने स्वयं ही निर्माण हटाने की कोशिश शुरू कर दी थी, लेकिन समय कम होने के कारण काम पूरा नहीं हो सका। रविवार सुबह करीब सुबह ही जेसीबी मशीन मौके पर पहुंची और अवैध निर्माण हटाने का काम तेज कर दिया गया।ग्राम प्रधानपति हाजी मुनव्वर ने बताया कि निर्माण हटाने के लिए प्रशासन से जेसीबी की मांग की गई थी, जिसे तहसीलदार धीरेंद्र कुमार सिंह द्वारा उपलब्ध कराया गया। मशीन का किराया ग्रामीण स्वयं वहन कर रहे हैं। पूरे अवैध निर्माण को हटाने में करीब 20 घंटे का समय लगने का अनुमान है। कार्रवाई के दौरान गाटा संख्या 623 और 630 की जमीन को कब्जामुक्त कराया जा रहा है, जहां पहले खाद के गड्ढे और खेल का मैदान दर्ज था। इसी जमीन पर ग़ौसुल मदरसा, मस्जिद, दो स्कूल और पांच दुकानों का निर्माण कर लिया गया था। ध्वस्त की गई दुकानों में समोसा-पकौड़े, सब्जी, मेडिकल स्टोर और जन सेवा केंद्र शामिल हैं। प्रशासन का कहना है कि सरकारी भूमि पर किसी भी प्रकार का अवैध कब्जा बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और आगे भी ऐसी कार्रवाई जारी रहेगी।

संगठन सशक्तिकरण पर जोर
पंडित दीनदयाल प्रशिक्षण महाभियान 2026

हाथरस| आज दिनांक 5 अप्रेल को उत्सव गार्डन सादाबाद विधानसभा क्षेत्र में 'पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाभियान–2026 वर्ग श्री राधेश्याम पागल जी की अध्यक्षता में हुआ कार्यक्रम की मुख्य वक्ता क्षेत्रीय मंत्री श्री मती डौली माहौर रही संयोजक मण्डल अध्यक्ष श्री अंकुश गौड रहे वर्ग में प्रभारी श्री सुनील गौतम जी एवं पदाधिकारियों एवं समर्पित कार्यकर्ताओं के साथ सक्रिय सहभागिता की इस अवसर पर कार्य क्रम की मुख्य वक्ता डौली माहौर ने कार्य विस्तार की दृष्टि पर चर्चा करते हुए कहा हमारा उद्देश्य केबल सम्पर्क ही नहीं बल्कि समाज की आवश्यकताओं को समझकर उन्हें राष्ट्र और समग्र विकास की विचार धारा से जोड़ना है एवं संगठन को और अधिक सशक्त एवं प्रभावी बनाने, के लिए

कार्यकर्ताओं की भूमिका को मजबूत करने तथा जनहित से जुड़े विषयों को प्राथमिकता देने पर विशेष रूप से विचार-विमर्श किया एवं पन्ना प्रमुख से लेकर पार्टी के सभी कार्यकर्ताओं एवं पदाधिकारियों से संवाद करना आवश्यक है इस अवसर पर वर्ग में सभी कार्यकर्ता मण्डल पदाधिकारी एवं अन्य कार्यकर्ताओ ने भाग लिया।

मिर्जापुर में 15 दिन में टूटा पीपा पुल, अखिलेश यादव का तंज

उत्तर प्रदेश के मिर्जापुर में नेवढ़िया घाट पर बना अस्थाई पीपा पुल का उद्घाटन 15 दिनों पहले स्थानीय बीजेपी विधायक रत्नाकर मिश्रा ने किया था, जो अब बह गया है. जिसके बाद अब इस पर राजनीति में भी शुरू हो चुकी है. इसी को लेकर समजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने बीजेपी पर तंज कसा है. जिसमें उन्होंने सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर वीडियो के साथ पोस्ट किया है. उन्होंने लिखा, "जनता पूछ रही है कि भाजपा सरकार में उद्घाटन के फूल सूखने से पहले ही : भाजपा की बनाई सड़क धँस क्यों जाती है? ग्रीन कॉरिडोर, विलीन कॉरिडोर क्यों हो जाता है? पुल क्यों टूट जाता है? हाईवे हाय-हाय क्यों करने लगते है? टंकी क्यों धराशायी हो जाती है? छत क्यों आँसू टपकाने लगती है?

इस पोस्ट के माध्यम से उन्होंने भ्रष्टाचार को लेकर सवाल उठाया है. जो अब वायरल है. पहले भी कई इस तरह के मामले सामने आई है. इस पोस्ट के माध्यम से अखिलेश यादव ने सरकार में जारी भ्रष्टाचार पर बड़ा सवाल है.सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने पोस्ट के माध्यम से इशारा किया है कि बीजेपी शासन में इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स उद्घाटन के समय तो चमक-दमक से भरे होते हैं, लेकिन चंद दिनों में ही क्वालिटी की पोल खुल जाती है. सीधा आरोप लगाया कि भ्रष्टाचार और लापरवाही के कारण सड़कें धंस रही हैं, पुल टूट रहे हैं, ग्रीन कॉरिडोर विलीन हो रहे हैं और सार्वजनिक निर्माण जल्दी ही 'हाय-हाय' का विषय बन जाते हैं. यहां बता दें कि मिर्जापुर के हरसिंहपुर-विंध्याचल वाले पैटून पुल का उद्घाटन 15 दिनों पहले ही हुआ था, लेकिन अब इसके बह जाने के बाद इस पर सवाल खड़े हो रहे हैं. बीजेपी विधायक रत्नाकर मिश्रा ने इसमें अधिकारियों को आड़े हाथों लिया है. लेकिन अब ये मामला तूल पकड़ चुका है.